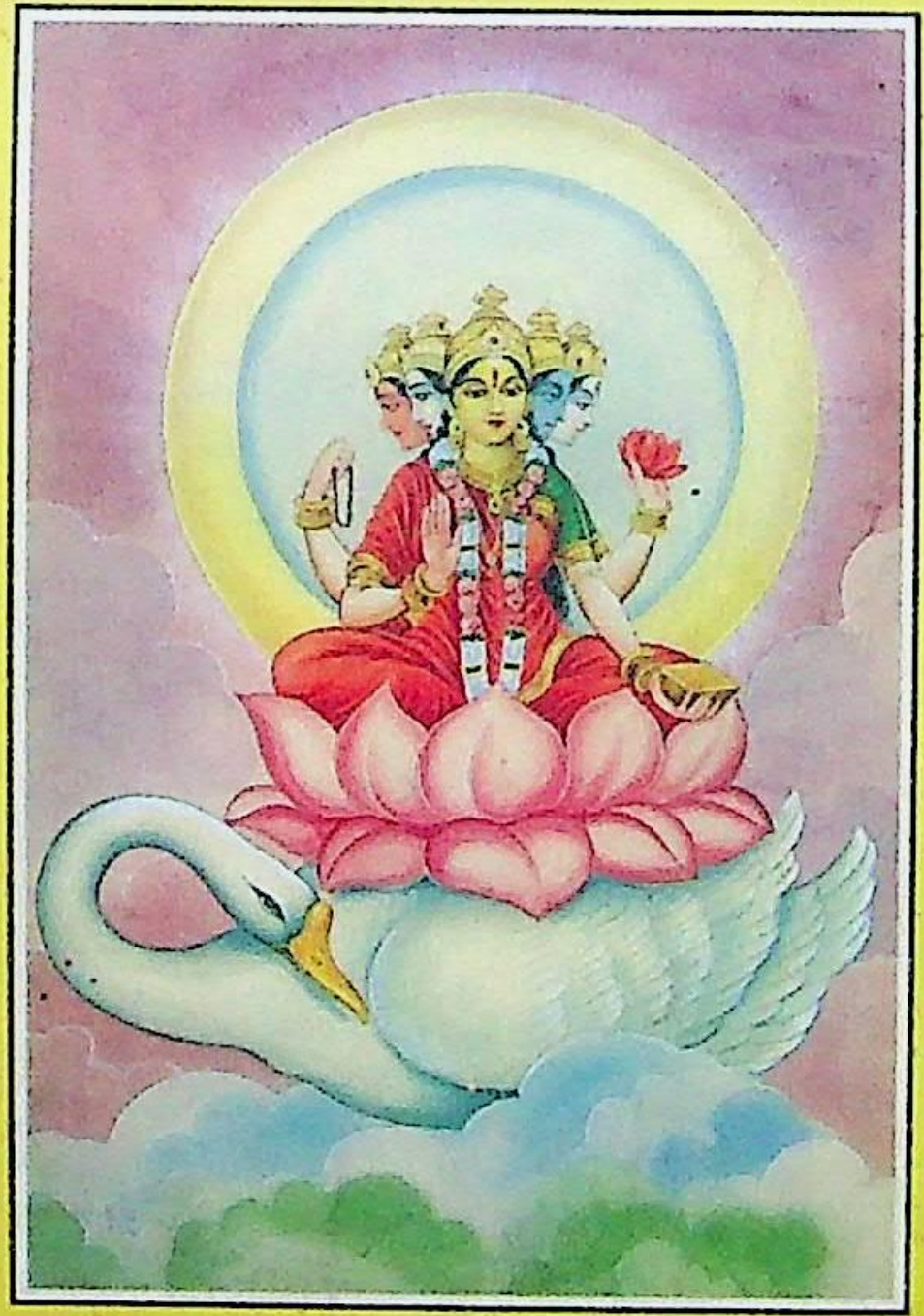

॥ श्रीहरिः ॥ 1663

श्रीगायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्

(नामावलिसहितम्)

(संक्षिप्त प्रयोग-विधिसहित)

1663

॥ श्रीहरिः ॥

श्रीगायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्

(नामावलिसहितम्)

(संक्षिप्त प्रयोग-विधिसहित)

गीताप्रेस, गोरखपुर

सं० २०६२ प्रथम संस्करण १०,०००

मूल्य—पाँच रुपये

प्रकाशक एवं मुद्रक—गीताप्रेस, गोरखपुर—२७३००५
गोबिन्दभवन-कार्यालय, कोलकाता का संस्थान
फोन : (०५५१) २३३४७२१; फैक्स : २३३६९९७

website : www.gitapress.org | e-mail : booksales@gitapress.org

[1663] 1B

॥ श्रीहरिः ॥

संक्षिप्त प्रयोग-विधि

सर्वप्रथम स्नान आदिसे पवित्र हो जाय। जब सहस्रनामस्तोत्रका पाठ करना हो अथवा सहस्रार्चन करना हो, श्रीगायत्रीजीकी प्रतिमाको अपने सम्मुख किसी काष्ठपीठ आदिपर यथाविधि स्थापित कर ले, अपने बैठनेका आसन भी लगा ले। पूजन आदिकी सभी सामग्रियोंको यथास्थान रखकर अपने आसनपर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठ जाय। दीपक जलाकर पूर्वाभिमुख रख दे और हाथ धो ले। '**दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते**' कहकर पुष्प अर्पितकर कर्मसाक्षी दीपकका पूजन कर ले। तिलक लगा ले तथा निम्न मन्त्रोंसे आचमन करे—

'**ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।**'

तथा '**ॐ हृषीकेशाय नमः**' कहकर हाथ धो ले।

निम्न मन्त्रसे अपने ऊपर जल छिड़ककर मार्जन कर ले—

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

तदनन्तर दाहिने हाथमें जल, पुष्प तथा अक्षत लेकर निम्न संकल्प करे—

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे ····नगरे/ग्रामे ····वैक्रमाब्दे

....संवत्सरे ....मासे ....पक्षे ....तिथौ ....वासरे ....गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्तोऽहं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं* सहस्रनामस्तोत्रपाठं करिष्ये। (यदि सहस्रार्चन करना हो तो **'सहस्रनामार्चनं करिष्ये'**—ऐसा बोलना चाहिये।)

हाथका जलाक्षत छोड़ दे।

अर्चन-पूजनके समय श्रीगायत्रीजीके विनियोगका मन्त्र पढ़कर जल छोड़ना चाहिये तथा न्यास करना चाहिये। विनियोग और न्यासके मन्त्र स्तोत्रके प्रारम्भमें लिखे गये हैं।

---

* अगर किसी कामनाकी सिद्धिके लिये सहस्रार्चन करना हो तो संकल्पमें **'यथेप्सितकार्यसिद्धिद्वारा श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं यथालब्धोपचारैः पूजनपूर्वकं ....द्रव्यैः सहस्रार्चनं करिष्ये'**—ऐसी योजना कर ले।

इसके अनन्तर श्रीगायत्रीजीका ध्यान, जो स्तोत्रके साथ दिया गया है, उससे भक्तिभावपूर्वक श्रीगायत्रीजीके स्वरूपका ध्यान करना चाहिये तथा मन्त्रोंसे पंचोपचार या मानस-पूजन करके स्तोत्रका पाठ करना चाहिये —

मानस-पूजन—

१-ॐ लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं पृथिवीरूप गन्ध (चन्दन) आपको अर्पित करता हूँ।)

२-ॐ हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं आकाशरूप पुष्प आपको अर्पित करता हूँ।)

३-ॐ यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं वायुदेवके रूपमें धूप आपको प्रदान करता हूँ।)

४-ॐ रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।

(प्रभो! मैं अग्निदेवके रूपमें दीपक आपको प्रदान करता हूँ।)

५-ॐ वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।

(प्रभो! मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूँ।)

६-ॐ सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।

(प्रभो! मैं सर्वात्माके रूपमें संसारके सभी उपचारोंको आपके चरणोंमें समर्पित करता हूँ।)

सहस्रार्चन करते समय उपलब्ध सामग्रियोंसे षोडशोपचार या पंचोपचार-

पूजन करना चाहिये, तदनन्तर सहस्रनामावलीके प्रत्येक नाममन्त्रसे सामग्री गायत्रीजीपर चढ़ाये। स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें प्रत्येक नामके पहले '**ॐ**' के स्थानपर '**श्री**' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे—'**श्रीगायत्र्यै नमः।**' अन्तमें आरती, पुष्पांजलि तथा क्षमा-प्रार्थना करके अर्चनको पूर्ण करे।

॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः ॥

श्रीगायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

रक्तश्वेतहिरण्यनीलधवलैर्युक्तां त्रिनेत्रोज्ज्वलां
रक्तां रक्तनवस्रजं मणिगणैर्युक्तां कुमारीमिमाम्।
गायत्रीं कमलासनां करतलव्यानद्धकुण्डाम्बुजां
पद्माक्षीं च वरस्रजं च दधतीं हंसाधिरूढां भजे॥

नारद उवाच

भगवन् सर्वधर्मज्ञ सर्वशास्त्रविशारद।
श्रुतिस्मृतिपुराणानां रहस्यं त्वन्मुखाच्छ्रुतम्॥ १॥
सर्वपापहरं देव येन विद्या प्रवर्तते।
केन वा ब्रह्मविज्ञानं किं नु वा मोक्षसाधनम्॥ २॥
ब्राह्मणानां गतिः केन केन वा मृत्युनाशनम्।
ऐहिकामुष्मिकफलं केन वा पद्मलोचन॥ ३॥

वक्तुमर्हस्यशेषेण सर्वं निखिलमादितः।

श्रीनारायण उवाच

साधु साधु महाप्राज्ञ सम्यक् पृष्टं त्वयानघ॥ ४॥
शृणु वक्ष्यामि यत्नेन गायत्र्यष्टसहस्रकम्।
नाम्नां शुभानां दिव्यानां सर्वपापविनाशनम्॥ ५॥
सृष्ट्यादौ यद्भगवता पूर्वं प्रोक्तं ब्रवीमि ते।
अष्टोत्तरसहस्रस्य ऋषिर्ब्रह्मा प्रकीर्तितः॥ ६॥

छन्दोऽनुष्टुप् तथा देवी गायत्री देवता स्मृता।
हलो बीजानि तस्यैव स्वराः शक्तय ईरिताः ॥ ७ ॥
अङ्गन्यासकरन्यासावुच्येते मातृकाक्षरैः।
अथ ध्यानं प्रवक्ष्यामि साधकानां हिताय वै ॥ ८ ॥

स्तोत्रम्

अचिन्त्यलक्षणाव्यक्ताप्यर्थमातृमहेश्वरी ।
अमृतार्णवमध्यस्थाप्यजिता चापराजिता ॥ १ ॥

अणिमादिगुणाधाराप्यर्कमण्डलसंस्थिता ।
अजराजापराधर्मा अक्षसूत्रधराधरा ॥ २ ॥

अकारादिक्षकारान्ताप्यरिषड्वर्गभेदिनी ।
अञ्जनाद्रिप्रतीकाशाप्यञ्जनाद्रिनिवासिनी ॥ ३ ॥

अदितिश्चाजपाविद्याप्यरविन्दनिभेक्षणा ।
अन्तर्बहिःस्थताविद्याध्वंसिनी चान्तरात्मिका ॥ ४ ॥

अजा चाजमुखावासाप्यरविन्दनिभानना ।
अर्धमात्रार्थदानज्ञाप्यरिमण्डलमर्दिनी ॥ ५ ॥

असुरघ्नी ह्यमावास्याप्यलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चिता ।
आदिलक्ष्मीश्चादिशक्तिराकृतिश्चायताननना ॥ ६ ॥

आदित्यपदवीचाराप्यादित्यपरिसेविता ।
आचार्यावर्तनाचाराप्यादिमूर्तिनिवासिनी ॥ ७ ॥

आग्नेयी चामरी चाद्या चाराध्या चासनस्थिता।
आधारनिलयाधारा चाकाशान्तनिवासिनी॥ ८॥

आद्याक्षरसमायुक्ता चान्तराकाशरूपिणी।
आदित्यमण्डलगता चान्तरध्वान्तनाशिनी॥ ९॥

इन्दिरा चेष्टदा चेष्टा चेन्दीवरनिभेक्षणा।
इरावती चेन्द्रपदा चेन्द्राणी चेन्दुरूपिणी॥ १०॥

इक्षुकोदण्डसंयुक्ता चेषुसन्धानकारिणी।
इन्द्रनीलसमाकारा चेडापिङ्गलरूपिणी॥ ११॥

इन्द्राक्षी चेश्वरी देवी चेहात्रयविवर्जिता।
उमा चोषा ह्युडुनिभा उर्वारुकफलानना॥ १२॥

उडुप्रभा चोडुमती ह्युडुपा ह्युडुमध्यगा।
ऊर्ध्वं चाप्यूर्ध्वकेशी चाप्यूर्ध्वाधोगतिभेदिनी॥ १३॥

ऊर्ध्वबाहुप्रिया चोर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिनी।
ऋतं चर्षिर्ऋतुमती ऋषिदेवनमस्कृता॥ १४॥

ऋग्वेदा ऋणहर्त्री च ऋषिमण्डलचारिणी।
ऋद्धिदा ऋजुमार्गस्था ऋजुधर्मा ऋतुप्रदा॥ १५॥

ऋग्वेदनिलया ऋज्वी लुप्तधर्मप्रवर्तिनी।
लूतारिवरसम्भूता लूतादिविषहारिणी॥ १६॥

एकाक्षरा चैकमात्रा चैका चैकैकनिष्ठिता।
ऐन्द्री ह्यैरावतारूढा चैहिकामुष्मिकप्रदा॥ १७॥

ओंकारा ह्योषधी चोता चोतप्रोतनिवासिनी।
और्वा ह्यौषधसम्पन्ना औपासनफलप्रदा॥ १८॥

अण्डमध्यस्थिता देवी चाःकारमनुरूपिणी।
कात्यायनी कालरात्रिः कामाक्षी कामसुन्दरी॥ १९॥

कमला कामिनी कान्ता कामदा कालकण्ठिनी।
करिकुम्भस्तनभरा करवीरसुवासिनी॥ २०॥

कल्याणी कुण्डलवती कुरुक्षेत्रनिवासिनी।
कुरुविन्ददलाकारा कुण्डली कुमुदालया॥ २१॥

कालजिह्वा करालास्या कालिका कालरूपिणी।
कमनीयगुणा कान्तिः कलाधारा कुमुद्वती॥ २२॥

कौशिकी कमलाकारा कामचारप्रभञ्जिनी।
कौमारी करुणापाङ्गी ककुबन्ता करिप्रिया॥ २३॥

केसरी केशवनुता कदम्बकुसुमप्रिया।
कालिन्दी कालिका काञ्ची कलशोद्भवसंस्तुता॥ २४॥

काममाता क्रतुमती कामरूपा कृपावती।
कुमारी कुण्डनिलया किराती कीरवाहना॥ २५॥

कैकेयी कोकिलालापा केतकी कुसुमप्रिया।
कमण्डलुधरा काली कर्मनिर्मूलकारिणी॥ २६॥

कलहंसगतिः कक्षा कृतकौतुकमङ्गला।
कस्तूरीतिलका कम्प्रा करीन्द्रगमना कुहूः॥ २७॥

कर्पूरलेपना कृष्णा कपिला कुहराश्रया।
कूटस्था कुधरा कम्रा कुक्षिस्थाखिलविष्टपा॥ २८॥

खड्गखेटकरा खर्वा खेचरी खगवाहना।
खट्वाङ्गधारिणी ख्याता खगराजोपरिस्थिता॥ २९॥

खलघ्नी खण्डितजरा खण्डाख्यानप्रदायिनी।
खण्डेन्दुतिलका गङ्गा गणेशगुहपूजिता॥ ३०॥

गायत्री गोमती गीता गान्धारी गानलोलुपा।
गौतमी गामिनी गाधा गन्धर्वाप्सरसेविता॥ ३१॥

गायत्र्यै नमो नमो गङ्गायै नमो नमः ॥ ३४ ॥
गौर्यै नमो नमो गणेशायै नमो नमः ।
गुरवे नमो नमो गुरुपत्न्यै नमो नमः ॥ ३५ ॥
गुहायै नमो नमो गोप्त्र्यै नमो नमः ।
गोविन्दायै नमो नमो गोपालायै नमो नमः ॥ ३६ ॥
गोपीजनवल्लभायै नमो नमः ।
गोलोकवासिन्यै नमो नमः ॥ ३७ ॥

गोकर्णनिलयासक्ता गुह्यमण्डलवर्तिनी।
घर्मदा घनदा घण्टा घोरदानवमर्दिनी॥ ३५॥

घृणिमन्त्रमयी घोषा घनसम्पातदायिनी।
घण्टारवप्रिया घ्राणा घृणिसन्तुष्टकारिणी॥ ३६॥

घनारिमण्डला घूर्णा घृताची घनवेगिनी।
ज्ञानधातुमयी चर्चा चर्चिता चारुहासिनी॥ ३७॥

देवदानवगन्धर्वयक्षराक्षसपन्नगैः ।
अजेयाऽनन्तमहिमा विश्वेशा विश्वभावना ॥ १०१ ॥

वाग्देवी वरदा वेद्या वेदमाता वसुन्धरा ।
वसुप्रदा वसुमती वसुधा वसुधारिणी ॥ १०२ ॥

वसुन्धरसुता वन्द्या वसुधाधिपपूजिता ।
वसुदा वसुधाकारा वसुधाधिपरूपिणी ॥ १०३ ॥

वसुधाधिपसंसेव्या वसुधाधिपसंस्तुता ।
वसुधाधिपसंवन्द्या वसुधाधिपवन्दिता ॥ १०४ ॥

वसुधाधिपसंसेव्या वसुधाधिपसंस्तुता ।
वसुधाधिपसंवन्द्या वसुधाधिपवन्दिता ॥ १०५ ॥

चारुचन्दनलिप्ताङ्गी चञ्चच्चामरवीजिता।
चारुमध्या चारुगतिश्चन्दिला चन्द्ररूपिणी॥ ४१॥

चारुहोमप्रिया चार्वाचरिता चक्रबाहुका।
चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रमण्डलदर्पणा॥ ४२॥

चक्रवाकस्तनी चेष्टा चित्रा चारुविलासिनी।
चित्स्वरूपा चन्द्रवती चन्द्रमाश्चन्दनप्रिया॥ ४३॥

चोदयित्री चिरप्रज्ञा चातका चारुहेतुकी।
छत्रयाता छत्रधरा छाया छन्दःपरिच्छदा॥ ४४॥

छायादेवीच्छिद्रनखा छन्नेन्द्रियविसर्पिणी।
छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्ता छिद्रोपद्रवभेदिनी॥ ४५॥

छेदा छत्रेश्वरी छिन्ना छुरिका छेदनप्रिया।
जननी जन्मरहिता जातवेदा जगन्मयी॥ ४६॥

जाह्नवी जटिला जेत्री जरामरणवर्जिता।
जम्बूद्वीपवती ज्वाला जयन्ती जलशालिनी॥ ४७॥

जितेन्द्रिया जितक्रोधा जितामित्रा जगत्प्रिया।
जातरूपमयी जिह्वा जानकी जगती जरा॥ ४८॥

जनित्री जह्नुतनया जगत्त्रयहितैषिणी।
ज्वालामुखी जपवती ज्वरघ्नी जितविष्टपा॥ ४९॥

जिताक्रान्तमयी ज्वाला जाग्रती ज्वरदेवता।
ज्वलन्ती जलदा ज्येष्ठा ज्याघोषास्फोटदिङ्मुखी॥ ५०॥

जम्भिनी जृम्भणा जृम्भा ज्वलन्माणिक्यकुण्डला।
झिंझिका झणनिर्घोषा झंझामारुतवेगिनी॥ ५१॥

झल्लरीवाद्यकुशला अरूपा अभुजा स्मृता।
टङ्कबाणसमायुक्ता टङ्किनी टङ्कभेदिनी॥ ५२॥

टङ्कीगणकृताघोषा टङ्कनीयमहोरसा।
टङ्कारकारिणी देवी ठठशब्दनिनादिनी॥ ५३॥

डामरी डाकिनी डिम्भा डुण्डुमारैकनिर्जिता।
डामरीतन्त्रमार्गस्था डमड्डमरुनादिनी॥ ५४॥

डिण्डीरवसहा डिम्भलसत्क्रीडापरायणा।
ढुण्ढिविघ्नेशजननी ढक्काहस्ता ढिलिव्रजा॥ ५५॥

नित्यज्ञाना निरुपमा निर्गुणा नर्मदा नदी।
त्रिगुणा त्रिपदा तन्त्री तुलसीतरुणातरुः॥ ५६॥

त्रिविक्रमपदाक्रान्ता तुरीयपदगामिनी।
तरुणादित्यसंकाशा तामसी तुहिना तुरा॥ ५७॥

त्रिकालज्ञानसम्पन्ना त्रिवेणी च त्रिलोचना।
त्रिशक्तिस्त्रिपुरा तुङ्गा तुरङ्गवदना तथा॥ ५८॥

तिमिङ्गिलगिला तीव्रा त्रिस्रोता तामसादिनी।
तत्रमन्त्रविशेषज्ञा तनुमध्या त्रिविष्टपा॥ ५९॥

त्रिसंध्या त्रिस्तनी तोषासंस्था तालप्रतापिनी।
ताटङ्किनी तुषाराभा तुहिनाचलवासिनी॥ ६०॥

तन्तुजालसमायुक्ता तारहारावलिप्रिया।
तिलहोमप्रिया तीर्था तमालकुसुमाकृतिः॥ ६१॥

तारका त्रियुता तन्वी त्रिशङ्कुपरिवारिता।
तलोदरी तिलाभूषा ताटङ्कप्रियवाहिनी॥ ६२॥

त्रिजटा तित्तिरी तृष्णा त्रिविधा तरुणाकृतिः।
तप्तकाञ्चनसंकाशा तप्तकाञ्चनभूषणा॥ ६३॥

त्रैयम्बका त्रिवर्गा च त्रिकालज्ञानदायिनी।
तर्पणा तृप्तिदा तृप्ता तामसी तुम्बुरुस्तुता॥ ६४॥

तार्क्ष्यस्था त्रिगुणाकारा त्रिभङ्गी तनुवल्लरिः ।
थात्कारी थारवा थान्ता दोहिनी दीनवत्सला ॥ ६५ ॥

दानवान्तकरी दुर्गा दुर्गासुरनिबर्हिणी ।
देवरीतिर्दिवारात्रिर्द्रौपदी दुन्दुभिस्वना ॥ ६६ ॥

देवयानी दुरावासा दारिद्र्योद्भेदिनी दिवा ।
दामोदरप्रिया दीप्ता दिग्वासा दिग्विमोहिनी ॥ ६७ ॥

दण्डकारण्यनिलया दण्डिनी देवपूजिता।
देववन्द्या दिविषदा द्वेषिणी दानवाकृतिः॥ ६८॥

दीनानाथस्तुता दीक्षा दैवतादिस्वरूपिणी।
धात्री धनुर्धरा धेनुर्धारिणी धर्मचारिणी॥ ६९॥

धरंधरा धराधारा धनदा धान्यदोहिनी।
धर्मशीला धनाध्यक्षा धनुर्वेदविशारदा॥ ७०॥

धृतिर्धन्या धृतपदा धर्मराजप्रिया ध्रुवा।
धूमावती धूमकेशी धर्मशास्त्रप्रकाशिनी॥ ७१॥

नन्दा नन्दप्रिया निद्रा नृनुता नन्दनात्मिका।
नर्मदा नलिनी नीला नीलकण्ठसमाश्रया॥ ७२॥

नारायणप्रिया नित्या निर्मला निर्गुणा निधिः।
निराधारा निरुपमा नित्यशुद्धा निरञ्जना॥ ७३॥

नादबिन्दुकलातीता नादबिन्दुकलात्मिका।
नृसिंहिनी नगधरा नृपनागविभूषिता ॥ ७४ ॥

नरकक्लेशशमनी नारायणपदोद्भवा।
निरवद्या निराकारा नारदप्रियकारिणी ॥ ७५ ॥

नानाज्योतिःसमाख्याता निधिदा निर्मलात्मिका।
नवसूत्रधरा नीतिर्निरुपद्रवकारिणी ॥ ७६ ॥

नन्दजा नवरत्नाढ्या नैमिषारण्यवासिनी।
नवनीतप्रिया नारी नीलजीमूतनिस्वना॥ ७७॥

निमेषिणी नदीरूपा नीलग्रीवा निशीश्वरी।
नामावलिर्निशुम्भघ्नी नागलोकनिवासिनी॥ ७८॥

नवजाम्बूनदप्रख्या नागलोकाधिदेवता।
नूपुराक्रान्तचरणा नरचित्तप्रमोदिनी॥ ७९॥

निमग्नारक्तनयना निर्घातसमनिस्वना।
नन्दनोद्याननिलया निर्व्यूहोपरिचारिणी॥ ८०॥

पार्वती परमोदारा परब्रह्मात्मिका परा।
पञ्चकोशविनिर्मुक्ता पञ्चपातकनाशिनी॥ ८१॥

परचित्तविधानज्ञा पञ्चिका पञ्चरूपिणी।
पूर्णिमा परमा प्रीतिः परतेजः प्रकाशिनी॥ ८२॥

पुराणी पौरुषी पुण्या पुण्डरीकनिभेक्षणा।
पातालतलनिर्मग्ना प्रीता प्रीतिविवर्धिनी॥ ८३॥

पावनी पादसहिता पेशला पवनाशिनी।
प्रजापतिः परिश्रान्ता पर्वतस्तनमण्डला॥ ८४॥

पद्मप्रिया पद्मसंस्था पद्माक्षी पद्मसम्भवा।
पद्मपत्रा पद्मपदा पद्मिनी प्रियभाषिणी॥ ८५॥

पशुपाशविनिर्मुक्ता पुरन्ध्री पुरवासिनी।
पुष्कला पुरुषा पर्वा पारिजातसुमप्रिया॥ ८६॥

पतिव्रता पवित्राङ्गी पुष्पहासपरायणा।
प्रज्ञावतीसुता पौत्री पुत्रपूज्या पयस्विनी॥ ८७॥

पट्टिपाशधरा पङ्क्तिः पितृलोकप्रदायिनी।
पुराणी पुण्यशीला च प्रणतार्तिविनाशिनी॥ ८८॥

प्रद्युम्नजननी पुष्टा पितामहपरिग्रहा।
पुण्डरीकपुरावासा पुण्डरीकसमानना॥ ८९॥

पृथुजङ्घा पृथुभुजा पृथुपादा पृथूदरी।
प्रवालशोभा पिङ्गाक्षी पीतवासाः प्रचापला॥ ९०॥

प्रसवा पुष्टिदा पुण्या प्रतिष्ठा प्रणवागतिः।
पञ्चवर्णा पञ्चवाणी पञ्चिका पञ्जरस्थिता॥ ९१॥

॥ ४५ ॥ पुण्यापापविनाशिनी पुण्यश्लोकप्रियाऽपि च ।
पुण्यकीर्तिः पुण्यनामा पुण्यश्रवणकीर्तनी ॥
पुण्यदा पुण्यफलदा पुण्यश्रीः पुण्यसंज्ञिता ।
पुण्यलभ्या पुण्यगतिः पुण्यदेहा पुण्यधीः ॥ ४६ ॥
पुण्यसंज्ञा पुण्यसृष्टिः पुण्यकर्मफलप्रदा ।
पुण्यकर्मप्रियाऽपि च पुण्यकर्मफलाश्रया ॥ ४७ ॥
पुण्यकर्मप्रेरणा च पुण्यकर्मफलप्रदा ।
पुण्यकर्मप्रियाऽपि च पुण्यकर्मफलाश्रया ॥ ४८ ॥

पुन्नागवनमध्यस्था पुण्यतीर्थनिषेविता।
पञ्चाङ्गी च पराशक्तिः परमाह्लादकारिणी॥ ९५॥

पुष्पकाण्डस्थिता पूषा पोषिताखिलविष्टपा।
पानप्रिया पञ्चशिखा पन्नगोपरिशायिनी॥ ९६॥

पञ्चमात्रात्मिका पृथ्वी पथिका पृथुदोहिनी।
पुराणन्यायमीमांसा पाटली पुष्पगन्धिनी॥ ९७॥

पुण्यप्रजा पारदात्री परमार्गैकगोचरा।
प्रवालशोभा पूर्णाशा प्रणवा पल्लवोदरी॥ ९८ ॥

फलिनी फलदा फल्गुः फूत्कारी फलकाकृतिः।
फणीन्द्रभोगशयना फणिमण्डलमण्डिता॥ ९९ ॥

बालबाला बहुमता बालातपनिभांशुका।
बलभद्रप्रिया वन्द्या वडवा बुद्धिसंस्तुता॥ १०० ॥

बन्दीदेवी बिलवती बडिशघ्नी बलिप्रिया।
बान्धवी बोधिता बुद्धिर्बन्धूककुसुमप्रिया॥ १०१॥

बालभानुप्रभाकारा ब्राह्मी ब्राह्मणदेवता।
बृहस्पतिस्तुता वृन्दा वृन्दावनविहारिणी॥ १०२॥

बालाकिनी बिलाहारा बिलवासा बहूदका।
बहुनेत्रा बहुपदा बहुकर्णावतंसिका॥ १०३॥

बहुबाहुयुता बीजरूपिणी बहुरूपिणी।
बिन्दुनादकलातीता बिन्दुनादस्वरूपिणी॥ १०४॥

बद्धगोधाङ्गुलित्राणा बदर्याश्रमवासिनी।
बृन्दारका बृहत्स्कन्धा बृहती बाणपातिनी॥ १०५॥

वृन्दाध्यक्षा बहुनुता वनिता बहुविक्रमा।
बद्धपद्मासनासीना बिल्वपत्रतलस्थिता॥ १०६॥

बोधिद्रुमनिजावासा बडिस्था बिन्दुदर्पणा।
बाला बाणासनवती वडवानलवेगिनी॥ १०७॥

ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्था ब्रह्मकङ्कणसूत्रिणी।
भवानी भीषणवती भाविनी भयहारिणी॥ १०८॥

भद्रकाली भुजङ्गाक्षी भारती भारताशया।
भैरवी भीषणाकारा भूतिदा भूतिमालिनी॥ १०९॥

भामिनी भोगनिरता भद्रदा भूरिविक्रमा।
भूतवासा भृगुलता भार्गवी भूसुरार्चिता॥ ११०॥

भागीरथी भोगवती भवनस्था भिषग्वरा।
भामिनी भोगिनी भाषा भवानी भूरिदक्षिणा॥ १११॥

भर्गात्मिका भीमवती भवबन्धविमोचिनी।
भजनीया भूतधात्रीरञ्जिता भुवनेश्वरी॥ ११२॥

भुजङ्गवलया भीमा भेरुण्डा भागधेयिनी।
माता माया मधुमती मधुजिह्वा मधुप्रिया॥ ११३॥

महादेवी महाभागा मालिनी मीनलोचना।
मायातीता मधुमती मधुमांसा मधुद्रवा॥ ११४॥

मानवी मधुसम्भूता मिथिलापुरवासिनी।
मधुकैटभसंहर्त्री मेदिनी मेघमालिनी॥ ११५॥

मेधा मरकतश्यामा माधुरी मधुसूदना ॥ ४२ ॥

मधुरासाधुरूपा च मदना मदनातुरा ।

मदनेशी मदाराध्या मदिरा मदमोदिनी ॥ ४३ ॥

मदालसा मदोन्मत्ता महामायामहेश्वरी ।

महादेवी महाकाली महासुरविमर्दिनी ॥ ४४ ॥

महाभागा महेशानी महाकारुण्यरूपिणी ।

महोदरी महोत्साहा महाशनपरायणा ॥ ४५ ॥

महामारी महावीरा महाश्यामा मनुस्तुता।
मातृका मिहिराभासा मुकुन्दपदविक्रमा॥ ११९॥

मूलाधारस्थिता मुग्धा मणिपूरकवासिनी।
मृगाक्षी महिषारूढा महिषासुरमर्दिनी॥ १२०॥

योगासना योगगम्या योगा यौवनकाश्रया।
यौवनी युद्धमध्यस्था यमुना युगधारिणी॥ १२१॥

यक्षिणी योगयुक्ता च यक्षराजप्रसूतिनी।
यात्रा यानविधानज्ञा यदुवंशसमुद्भवा॥ १२२॥

यकारादिहकारान्ता याज़ुषी यज्ञरूपिणी।
यामिनी योगनिरता यातुधानभयङ्करी॥ १२३॥

रुक्मिणी रमणी रामा रेवती रेणुका रतिः।
रौद्री रौद्रप्रियाकारा राममाता रतिप्रिया॥ १२४॥

रोहिणी राज्यदा रेवा रमा राजीवलोचना।
राकेशी रूपसम्पन्ना रत्नसिंहासनस्थिता॥ १२५॥

रक्तमाल्याम्बरधरा रक्तगन्धानुलेपना।
राजहंससमारूढा रम्भा रक्तबलिप्रिया॥ १२६॥

रमणीययुगाधारा राजिताखिलभूतला।
रुरुचर्मपरीधाना रथिनी रत्नमालिका॥ १२७॥

रोगेशी रोगशमनी राविणी रोमहर्षिणी।
रामचन्द्रपदाक्रान्ता रावणच्छेदकारिणी॥ १२८॥

रत्नवस्त्रपरिच्छन्ना रथस्था रुक्मभूषणा।
लज्जाधिदेवता लोला ललिता लिङ्गधारिणी॥ १२९॥

लक्ष्मीर्लोला लुप्तविषा लोकिनी लोकविश्रुता।
लज्जा लम्बोदरी देवी ललना लोकधारिणी॥ १३०॥

वरदा वन्दिता विद्या वैष्णवी विमलाकृतिः ।
वाराही विरजा वर्षा वरलक्ष्मीर्विलासिनी ॥ १३१ ॥

विनता व्योममध्यस्था वारिजासनसंस्थिता ।
वारुणी वेणुसम्भूता वीतिहोत्रा विरूपिणी ॥ १३२ ॥

वायुमण्डलमध्यस्था विष्णुरूपा विधिप्रिया ।
विष्णुपत्नी विष्णुमती विशालाक्षी वसुन्धरा ॥ १३३ ॥

वामदेवप्रिया वेला वज्रिणी वसुदोहिनी।
वेदाक्षरपरीताङ्गी वाजपेयफलप्रदा॥ १३४॥

वासवी वामजननी वैकुण्ठनिलया वरा।
व्यासप्रिया वर्मधरा वाल्मीकिपरिसेविता॥ १३५॥

शाकम्भरी शिवा शान्ता शारदा शरणागतिः।
शातोदरी शुभाचारा शुम्भासुरविमर्दिनी॥ १३६॥

शोभावती शिवाकारा शङ्करार्द्धशरीरिणी।
शोणा शुभाशया शुभ्रा शिरःसन्धानकारिणी॥ १३७॥

शरावती शरानन्दा शरज्ज्योत्स्ना शुभानना।
शरभा शूलिनी शुद्धा शबरी शुकवाहना॥ १३८॥

श्रीमती श्रीधरानन्दा श्रवणानन्ददायिनी।
शर्वाणी शर्वरीवन्द्या षड्भाषा षड्ऋतुप्रिया॥ १३९॥

षडाधारस्थिता देवी षण्मुखप्रियकारिणी।
षडङ्गरूपसुमतिसुरासुरनमस्कृता ॥ १४० ॥

सरस्वती सदाधारा सर्वमङ्गलकारिणी।
सामगानप्रिया सूक्ष्मा सावित्री सामसम्भवा ॥ १४१ ॥

सर्वावासा सदानन्दा सुस्तनी सागराम्बरा।
सर्वैश्वर्यप्रिया सिद्धिः साधुबन्धुपराक्रमा ॥ १४२ ॥

सप्तर्षिमण्डलगता सोममण्डलवासिनी।
सर्वज्ञा सान्द्रकरुणा समानाधिकवर्जिता॥ १४३॥

सर्वोत्तुङ्गा सङ्गहीना सद्गुणा सकलेष्टदा।
सरघा सूर्यतनया सुकेशी सोमसंहतिः॥ १४४॥

हिरण्यवर्णा हरिणी ह्रींकारी हंसवाहिनी।
क्षौमवस्त्रपरीताङ्गी क्षीराब्धितनया क्षमा॥ १४५॥

गायत्री चैव सावित्री पार्वती च सरस्वती।
वेदगर्भा वरारोहा श्रीगायत्री पराम्बिका॥ १४६॥

॥ फलश्रुतिः ॥

इति साहस्रकं नाम्नां गायत्र्याश्चैव नारद।
पुण्यदं सर्वपापघ्नं महासम्पत्तिदायकम्॥ १४७॥
एवं नामानि गायत्र्यास्तोषोत्पत्तिकराणि हि।
अष्टम्यां च विशेषेण पठितव्यं द्विजैः सह॥ १४८॥

जपं कृत्वा होमपूजा ध्यानं कृत्वा विशेषतः ।
यस्मै कस्मै न दातव्यं गायत्र्यास्तु विशेषतः ॥ १४९ ॥

सुभक्ताय सुशिष्याय वक्तव्यं भूसुराय वै ।
भ्रष्टेभ्यः साधकेभ्यश्च बान्धवेभ्यो न दर्शयेत् ॥ १५० ॥

यद्गृहे लिखितं शास्त्रं भयं तस्य न कस्यचित् ।
चञ्चलापि स्थिरा भूत्वा कमला तत्र तिष्ठति ॥ १५१ ॥

इदं रहस्यं परमं गुह्याद् गुह्यतरं महत्।
पुण्यप्रदं मनुष्याणां दरिद्राणां निधिप्रदम्॥ १५२॥

मोक्षप्रदं मुमुक्षूणां कामिनां सर्वकामदम्।
रोगाद्वै मुच्यते रोगी बद्धो मुच्येत बन्धनात्॥ १५३॥

ब्रह्महत्यासुरापानसुवर्णस्तेयिनो नराः।
गुरुतल्पगतो वापि पातकान्मुच्यते सकृत्॥ १५४॥

असत्प्रतिग्रहाच्चैवाभक्ष्यभक्षाद्विशेषतः ।
पाखण्डानृतमुख्येभ्यः पठनादेव मुच्यते ॥ १५५ ॥

इदं रहस्यममलं मयोक्तं पद्मजोद्भव ।
ब्रह्मसायुज्यदं नृणां सत्यं सत्यं न संशयः ॥ १५६ ॥

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे गायत्रीसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

अघनाशकगायत्रीस्तोत्रम्

आदिशक्ते जगन्मातर्भक्तानुग्रहकारिणि।
सर्वत्र व्यापिकेऽनन्ते श्रीसंध्ये ते नमोऽस्तु ते॥
त्वमेव संध्या गायत्री सावित्री च सरस्वती।
ब्राह्मी च वैष्णवी रौद्री रक्ता श्वेता सितेतरा॥
प्रातर्बाला च मध्याह्ने यौवनस्था भवेत्पुनः।
वृद्धा सायं भगवती चिन्त्यते मुनिभिः सदा॥
हंसस्था गरुडारूढा तथा वृषभवाहिनी।
ऋग्वेदाध्यायिनी भूमौ दृश्यते या तपस्विभिः॥

यजुर्वेदं पठन्ती च अन्तरिक्षे विराजते।
सा सामगापि सर्वेषु भ्राम्यमाणा तथा भुवि॥
रुद्रलोकं गता त्वं हि विष्णुलोकनिवासिनी।
त्वमेव ब्रह्मणो लोकेऽमर्त्यानुग्रहकारिणी॥
सप्तर्षिप्रीतिजननी माया बहुवरप्रदा।
शिवयोः करनेत्रोत्था ह्यश्रुस्वेदसमुद्भवा॥
आनन्दजननी दुर्गा दशधा परिपठ्यते।
वरेण्या वरदा चैव वरिष्ठा वरवर्णिनी॥

गरिष्ठा च वराही च वरारोहा च सप्तमी।
नीलगङ्गा तथा संध्या सर्वदा भोगमोक्षदा॥
भागीरथी मर्त्यलोके पाताले भोगवत्यपि।
त्रिलोकवाहिनी देवी स्थानत्रयनिवासिनी॥
भूर्लोकस्था त्वमेवासि धरित्री शोकधारिणी।
भुवो लोके वायुशक्तिः स्वर्लोके तेजसां निधिः॥
महर्लोके महासिद्धिर्जनलोके जनेत्यपि।
तपस्विनी तपोलोके सत्यलोके तु सत्यवाक्॥

कमला विष्णुलोके च गायत्री ब्रह्मलोकगा।
रुद्रलोके स्थिता गौरी हरार्धाङ्गनिवासिनी॥
अहमो महतश्चैव प्रकृतिस्त्वं हि गीयसे।
साम्यावस्थात्मिका त्वं हि शबलब्रह्मरूपिणी॥
ततः परापरा शक्तिः परमा त्वं हि गीयसे।
इच्छाशक्तिः क्रियाशक्तिर्ज्ञानशक्तिस्त्रिशक्तिदा॥
गङ्गा च यमुना चैव विपाशा च सरस्वती।
सरयूर्देविका सिन्धुर्नर्मदेरावती तथा॥

गोदावरी शतद्रुश्च कावेरी देवलोकगा।
कौशिकी चन्द्रभागा च वितस्ता च सरस्वती॥
गण्डकी तापिनी तोया गोमती वेत्रवत्यपि।
इडा च पिङ्गला चैव सुषुम्णा च तृतीयका॥
गान्धारी हस्तिजिह्वा च पूषापूषा तथैव च।
अलम्बुषा कुहूश्चैव शङ्खिनी प्राणवाहिनी॥
नाडी च त्वं शरीरस्था गीयसे प्राक्तनैर्बुधैः।
हृतपद्मस्था प्राणशक्तिः कण्ठस्था स्वप्ननायिका॥

तालुस्था त्वं सदाधारा बिन्दुस्था बिन्दुमालिनी।
मूले तु कुण्डली शक्तिर्व्यापिनी केशमूलगा॥
शिखामध्यासना त्वं हि शिखाग्रे तु मनोन्मनी।
किमन्यद् बहुनोक्तेन यत्किंचिज्जगतीत्रये॥
तत्सर्वं त्वं महादेवि श्रिये संध्ये नमोऽस्तु ते।
इतीदं कीर्तितं स्तोत्रं संध्यायां बहुपुण्यदम्॥
महापापप्रशमनं महासिद्धिविधायकम्।
य इदं कीर्तयेत् स्तोत्रं संध्याकाले समाहितः॥

अपुत्रः प्राप्नुयात् पुत्रं धनार्थी धनमाप्नुयात्।
सर्वतीर्थतपोदानयज्ञयोगफलं लभेत्॥
भोगान् भुक्त्वा चिरं कालमन्ते मोक्षमवाप्नुयात्।
तपस्विभिः कृतं स्तोत्रं स्नानकाले तु यः पठेत्॥
यत्र कुत्र जले मग्नः संध्यामज्जनजं फलम्।
लभते नात्र संदेहः सत्यं सत्यं च नारद॥
शृणुयाद्योऽपि तद्भक्त्या स तु पापात् प्रमुच्यते।
पीयूषसदृशं वाक्यं संध्योक्तं नारदेरितम्॥

॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः ॥

श्रीगायत्रीसहस्रनामावलिः

१ ॐ अचिन्त्यलक्षणायै नमः ।
२ ॐ अव्यक्तायै नमः ।
३ ॐ अर्थमातृमहेश्वर्यै नमः ।
४ ॐ अमृतायै नमः ।
५ ॐ अर्णवमध्यस्थायै नमः ।
६ ॐ अजितायै नमः ।
७ ॐ अपराजितायै नमः ।
८ ॐ अणिमादिगुणाधारायै नमः ।
९ ॐ अर्कमण्डलसंस्थितायै नमः ।
१० ॐ अजरायै नमः ।
११ ॐ अजायै नमः ।
१२ ॐ अपरस्यै नमः ।
१३ ॐ अधर्मायै नमः ।
१४ ॐ अक्षसूत्रधरायै नमः ।

१५ ॐ अधरायै नमः।
१६ ॐ अकारादिक्षकारान्तायै नमः।
१७ ॐ अरिषड्वर्गभेदिन्यै नमः।
१८ ॐ अञ्जनाद्रिप्रतीकाशायै नमः।
१९ ॐ अञ्जनाद्रिनिवासिन्यै नमः।
२० ॐ अदित्यै नमः।
२१ ॐ अजपायै नमः।
२२ ॐ अविद्यायै नमः।
२३ ॐ अरविन्दनिभेक्षणायै नमः।
२४ ॐ अन्तर्बहिःस्थितायै नमः।
२५ ॐ अविद्याध्वंसिन्यै नमः।
२६ ॐ अन्तरात्मिकायै नमः।
२७ ॐ अजायै नमः।
२८ ॐ अजमुखावासायै नमः।
२९ ॐ अरविन्दनिभाननायै नमः।
३० ॐ अर्धमात्रायै नमः।
३१ ॐ अर्थदानज्ञायै नमः।
३२ ॐ अरिमण्डलमर्दिन्यै नमः।

३३ ॐ असुरघ्न्यै नमः।
३४ ॐ अमावास्यायै नमः।
३५ ॐ अलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चितायै नमः।
३६ ॐ आदिलक्ष्म्यै नमः।
३७ ॐ आदिशक्त्यै नमः।
३८ ॐ आकृत्यै नमः।
३९ ॐ आयताननायै नमः।
४० ॐ आदित्यपदवीचारायै नमः।
४१ ॐ आदित्यपरिसेवितायै नमः।
४२ ॐ आचार्यायै नमः।
४३ ॐ आवर्तनायै नमः।
४४ ॐ आचारायै नमः।
४५ ॐ आदिमूर्तिनिवासिन्यै नमः।
४६ ॐ आग्नेय्यै नमः।
४७ ॐ आमर्यै नमः।
४८ ॐ आद्यायै नमः।
४९ ॐ आराध्यायै नमः।
५० ॐ आसनस्थितायै नमः।

५१ ॐ आधारनिलयायै नमः।
५२ ॐ आधारायै नमः।
५३ ॐ आकाशान्तनिवासिन्यै नमः।
५४ ॐ आद्याक्षरसमायुक्तायै नमः।
५५ ॐ आन्तराकाशरूपिण्यै नमः।
५६ ॐ आदित्यमण्डलगतायै नमः।
५७ ॐ आन्तरध्वान्तनाशिन्यै नमः।
५८ ॐ इन्दिरायै नमः।
५९ ॐ इष्टदायै नमः।
६० ॐ इष्टायै नमः।
६१ ॐ इन्दीवरनिभेक्षणायै नमः।
६२ ॐ इरावत्यै नमः।
६३ ॐ इन्द्रपदायै नमः।
६४ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६५ ॐ इन्दुरूपिण्यै नमः।
६६ ॐ इक्षुकोदण्डसंयुक्तायै नमः।
६७ ॐ इषुसन्धानकारिण्यै नमः।
६८ ॐ इन्द्रनीलसमाकारायै नमः।

६९ ॐ इडापिङ्गलरूपिण्यै नमः।
७० ॐ इन्द्राक्ष्यै नमः।
७१ ॐ ईश्वर्यै देव्यै नमः।
७२ ॐ ईहात्रयविवर्जितायै नमः।
७३ ॐ उमायै नमः।
७४ ॐ उषायै नमः।
७५ ॐ उडुनिभायै नमः।
७६ ॐ उर्वारुकफलाननायै नमः।
७७ ॐ उडुप्रभायै नमः।
७८ ॐ उडुमत्यै नमः।
७९ ॐ उडुपायै नमः।
८० ॐ उडुमध्यगायै नमः।
८१ ॐ ऊर्ध्वाय नमः।
८२ ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः।
८३ ॐ ऊर्ध्वाधोगतिभेदिन्यै नमः।
८४ ॐ ऊर्ध्वबाहुप्रियायै नमः।
८५ ॐ ऊर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिन्यै नमः।

८६ ॐ ऋताय नमः।
८७ ॐ ऋषये नमः।
८८ ॐ ऋतुमत्यै नमः।
८९ ॐ ऋषिदेवनमस्कृतायै नमः।
९० ॐ ऋग्वेदायै नमः।
९१ ॐ ऋणहर्त्र्यै नमः।
९२ ॐ ऋषिमण्डलचारिण्यै नमः।
९३ ॐ ऋद्धिदायै नमः।
९४ ॐ ऋजुमार्गस्थायै नमः।
९५ ॐ ऋजुधर्मायै नमः।
९६ ॐ ऋतुप्रदायै नमः।
९७ ॐ ऋग्वेदनिलयायै नमः।
९८ ॐ ऋज्व्यै नमः।
९९ ॐ लुप्तधर्मप्रवर्तिन्यै नमः।
१०० ॐ लूतारिवरसम्भूतायै नमः।
१०१ ॐ लूतादिविषहारिण्यै नमः।
१०२ ॐ एकाक्षरायै नमः।
१०३ ॐ एकमात्रायै नमः।

१०४ ॐ एकस्यै नमः।
१०५ ॐ एकैकनिष्ठितायै नमः।
१०६ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
१०७ ॐ ऐरावतारूढायै नमः।
१०८ ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रभायै नमः।
१०९ ॐ ओंकारायै नमः।
११० ॐ ओषध्यै नमः।
१११ ॐ ओतायै नमः।
११२ ॐ ओतप्रोतनिवासिन्यै नमः।
११३ ॐ और्वायै नमः।
११४ ॐ औषधसम्पन्नायै नमः।
११५ ॐ औपासनफलप्रदायै नमः।
११६ ॐ अण्डमध्यस्थितायै देव्यै नमः।
११७ ॐ अःकारमनुरूपिण्यै नमः।
११८ ॐ कात्यायन्यै नमः।
११९ ॐ कालरात्र्यै नमः।
१२० ॐ कामाक्ष्यै नमः।
१२१ ॐ कामसुन्दर्यै नमः।

१२२ ॐ कमलायै नमः।
१२३ ॐ कामिन्यै नमः।
१२४ ॐ कान्तायै नमः।
१२५ ॐ कामदायै नमः।
१२६ ॐ कालकण्ठिन्यै नमः।
१२७ ॐ करिकुम्भस्तनभरायै नमः।
१२८ ॐ करवीरसुवासिन्यै नमः।
१२९ ॐ कल्याण्यै नमः।
१३० ॐ कुण्डलवत्यै नमः।
१३१ ॐ कुरुक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
१३२ ॐ कुरुविन्ददलाकारायै नमः।
१३३ ॐ कुण्डल्यै नमः।
१३४ ॐ कुमुदालयायै नमः।
१३५ ॐ कालजिह्वायै नमः।
१३६ ॐ करालास्यायै नमः।
१३७ ॐ कालिकायै नमः।
१३८ ॐ कालरूपिण्यै नमः।
१३९ ॐ कमनीयगुणायै नमः।

१४० ॐ कान्त्यै नमः।
१४१ ॐ कलाधारायै नमः।
१४२ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१४३ ॐ कौशिक्यै नमः।
१४४ ॐ कमलाकारायै नमः।
१४५ ॐ कामचारप्रभञ्जिन्यै नमः।
१४६ ॐ कौमार्यै नमः।
१४७ ॐ करुणापाङ्ग्यै नमः।
१४८ ॐ ककुबन्तायै नमः।
१४९ ॐ करिप्रियायै नमः।
१५० ॐ केसर्यै नमः।
१५१ ॐ केशवनुतायै नमः।
१५२ ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
१५३ ॐ कालिन्द्यै नमः।
१५४ ॐ कालिकायै नमः।
१५५ ॐ काञ्च्यै नमः।
१५६ ॐ कलशोद्भवसंस्तुतायै नमः।
१५७ ॐ काममात्रे नमः।

१५८ ॐ क्रतुमत्यै नमः।
१५९ ॐ कामरूपायै नमः।
१६० ॐ कृपावत्यै नमः।
१६१ ॐ कुमार्यै नमः।
१६२ ॐ कुण्डनिलयायै नमः।
१६३ ॐ किरात्यै नमः।
१६४ ॐ कीरवाहनायै नमः।
१६५ ॐ कैकेय्यै नमः।
१६६ ॐ कोकिलालापायै नमः।
१६७ ॐ केतक्यै नमः।
१६८ ॐ कुसुमप्रियायै नमः।
१६९ ॐ कमण्डलुधरायै नमः।
१७० ॐ काल्यै नमः।
१७१ ॐ कर्मनिर्मूलकारिण्यै नमः।
१७२ ॐ कलहंसगत्यै नमः।
१७३ ॐ कक्षायै नमः।
१७४ ॐ कृतकौतुकमङ्गलायै नमः।
१७५ ॐ कस्तूरीतिलकायै नमः।

१७६ ॐ कम्प्रायै नमः।
१७७ ॐ करीन्द्रगमनायै नमः।
१७८ ॐ कुह्वै नमः।
१७९ ॐ कर्पूरलेपनायै नमः।
१८० ॐ कृष्णायै नमः।
१८१ ॐ कपिलायै नमः।
१८२ ॐ कुहुराश्रयायै नमः।
१८३ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८४ ॐ कुधरायै नमः।
१८५ ॐ कम्रायै नमः।
१८६ ॐ कुक्षिस्थाखिलविष्टपायै नमः।
१८७ ॐ खड्गखेटकरायै नमः।
१८८ ॐ खर्वायै नमः।
१८९ ॐ खेचर्यै नमः।
१९० ॐ खगवाहनायै नमः।
१९१ ॐ खट्वाङ्गधारिण्यै नमः।
१९२ ॐ ख्यातायै नमः।
१९३ ॐ खगराजोपरिस्थितायै नमः।

१९४ ॐ खलघ्न्यै नमः।
१९५ ॐ खण्डितजरायै नमः।
१९६ ॐ खण्डाख्यानप्रदायिन्यै नमः।
१९७ ॐ खण्डेन्दुतिलकायै नमः।
१९८ ॐ गङ्गायै नमः।
१९९ ॐ गणेशगुहपूजितायै नमः।
२०० ॐ गायत्र्यै नमः।
२०१ ॐ गोमत्यै नमः।
२०२ ॐ गीतायै नमः।
२०३ ॐ गान्धार्यै नमः।
२०४ ॐ गानलोलुपायै नमः।
२०५ ॐ गौतम्यै नमः।
२०६ ॐ गामिन्यै नमः।
२०७ ॐ गाधायै नमः।
२०८ ॐ गन्धर्वाप्सरसेवितायै नमः।
२०९ ॐ गोविन्दचरणाक्रान्तायै नमः।
२१० ॐ गुणत्रयविभावितायै नमः।
२११ ॐ गन्धर्व्यै नमः।

२१२ ॐ गह्वर्यै नमः।
२१३ ॐ गोत्रायै नमः।
२१४ ॐ गिरीशायै नमः।
२१५ ॐ गहनायै नमः।
२१६ ॐ गम्यै नमः।
२१७ ॐ गुहावासायै नमः।
२१८ ॐ गुणवत्यै नमः।
२१९ ॐ गुरुपापप्रणाशिन्यै नमः।
२२० ॐ गुर्व्यै नमः।
२२१ ॐ गुणवत्यै नमः।
२२२ ॐ गुह्यायै नमः।
२२३ ॐ गोप्तव्यायै नमः।
२२४ ॐ गुणदायिन्यै नमः।
२२५ ॐ गिरिजायै नमः।
२२६ ॐ गुह्यमातङ्ग्यै नमः।
२२७ ॐ गरुडध्वजवल्लभायै नमः।
२२८ ॐ गर्वापहारिण्यै नमः।
२२९ ॐ गोदायै नमः।

२३० ॐ गोकुलस्थायै नमः।
२३१ ॐ गदाधरायै नमः।
२३२ ॐ गोकर्णनिलयासक्तायै नमः।
२३३ ॐ गुह्यमण्डलवर्तिन्यै नमः।
२३४ ॐ घर्मदायै नमः।
२३५ ॐ घनदायै नमः।
२३६ ॐ घण्टायै नमः।
२३७ ॐ घोरदानवमर्दिन्यै नमः।
२३८ ॐ घृणिमन्त्रमय्यै नमः।
२३९ ॐ घोषायै नमः।
२४० ॐ घनसम्पातदायिन्यै नमः।
२४१ ॐ घण्टारवप्रियायै नमः।
२४२ ॐ घ्राणायै नमः।
२४३ ॐ घृणिसंतुष्टकारिण्यै नमः।
२४४ ॐ घनारिमण्डलायै नमः।
२४५ ॐ घूर्णायै नमः।
२४६ ॐ घृताच्यै नमः।
२४७ ॐ घनवेगिन्यै नमः।

२४८ ॐ ज्ञानधातुमय्यै नमः।
२४९ ॐ चर्चायै नमः।
२५० ॐ चर्चितायै नमः।
२५१ ॐ चारुहासिन्यै नमः।
२५२ ॐ चटुलायै नमः।
२५३ ॐ चण्डिकायै नमः।
२५४ ॐ चित्रायै नमः।
२५५ ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः।
२५६ ॐ चतुर्भुजायै नमः।
२५७ ॐ चारुदन्तायै नमः।
२५८ ॐ चातुर्यै नमः।
२५९ ॐ चरितप्रदायै नमः।
२६० ॐ चूलिकायै नमः।
२६१ ॐ चित्रवस्त्रान्तायै नमः।
२६२ ॐ चन्द्रमःकर्णकुण्डलायै नमः।
२६३ ॐ चन्द्रहासायै नमः।
२६४ ॐ चारुदात्र्यै नमः।
२६५ ॐ चकोर्यै नमः।

२६६ ॐ चान्द्रहासिन्यै नमः।
२६७ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
२६८ ॐ चन्द्रधात्र्यै नमः।
२६९ ॐ चौर्यै नमः।
२७० ॐ चौरायै नमः।
२७१ ॐ चण्डिकायै नमः।
२७२ ॐ चञ्चद्वाग्वादिन्यै नमः।
२७३ ॐ चन्द्रचूडायै नमः।
२७४ ॐ चोरविनाशिन्यै नमः।
२७५ ॐ चारुचन्दनलिप्ताङ्ग्यै नमः।
२७६ ॐ चञ्चच्चामरवीजितायै नमः।
२७७ ॐ चारुमध्यायै नमः।
२७८ ॐ चारुगत्यै नमः।
२७९ ॐ चन्दिलायै नमः।
२८० ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः।
२८१ ॐ चारुहोमप्रियायै नमः।
२८२ ॐ चार्वाचरितायै नमः।
२८३ ॐ चक्रबाहुकायै नमः।

२८४ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः।
२८५ ॐ चन्द्रमण्डलदर्पणायै नमः।
२८६ ॐ चक्रवाकस्तन्यै नमः।
२८७ ॐ चेष्टायै नमः।
२८८ ॐ चित्रायै नमः।
२८९ ॐ चारुविलासिन्यै नमः।
२९० ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२९१ ॐ चन्द्रवत्यै नमः।
२९२ ॐ चन्द्रमसे नमः।
२९३ ॐ चन्दनप्रियायै नमः।
२९४ ॐ चोदयित्र्यै नमः।
२९५ ॐ चिरप्रज्ञायै नमः।
२९६ ॐ चातकायै नमः।
२९७ ॐ चारुहेतुक्यै नमः।
२९८ ॐ छत्रयातायै नमः।
२९९ ॐ छत्रधरायै नमः।
३०० ॐ छायायै नमः।
३०१ ॐ छन्दःपरिच्छदायै नमः।

३०२ ॐ छायादेव्यै नमः।
३०३ ॐ छिद्रनखायै नमः।
३०४ ॐ छन्नेन्द्रियविसर्पिण्यै नमः।
३०५ ॐ छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्तायै नमः।
३०६ ॐ छिद्रोपद्रवभेदिन्यै नमः।
३०७ ॐ छेदायै नमः।
३०८ ॐ छत्रेश्वर्यै नमः।
३०९ ॐ छिन्नायै नमः।
३१० ॐ छुरिकायै नमः।
३११ ॐ छेदनप्रियायै नमः।
३१२ ॐ जनन्यै नमः।
३१३ ॐ जन्मरहितायै नमः।
३१४ ॐ जातवेदसे नमः।
३१५ ॐ जगन्मय्यै नमः।
३१६ ॐ जाह्नव्यै नमः।
३१७ ॐ जटिलायै नमः।
३१८ ॐ जेत्र्यै नमः।
३१९ ॐ जरामरणवर्जितायै नमः।

३२० ॐ जम्बूद्वीपवत्यै नमः।
३२१ ॐ ज्वालायै नमः।
३२२ ॐ जयन्त्यै नमः।
३२३ ॐ जलशालिन्यै नमः।
३२४ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
३२५ ॐ जितक्रोधायै नमः।
३२६ ॐ जितामित्रायै नमः।
३२७ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
३२८ ॐ जातरूपमय्यै नमः।
३२९ ॐ जिह्वायै नमः।
३३० ॐ जानक्यै नमः।
३३१ ॐ जगत्यै नमः।
३३२ ॐ जरायै नमः।
३३३ ॐ जनित्र्यै नमः।
३३४ ॐ जह्नुतनयायै नमः।
३३५ ॐ जगत्त्रयहितैषिण्यै नमः।
३३६ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
३३७ ॐ जपवत्यै नमः।

३३८ ॐ ज्वरघ्न्यै नमः।
३३९ ॐ जितविष्टपायै नमः।
३४० ॐ जिताक्रान्तमय्यै नमः।
३४१ ॐ ज्वालायै नमः।
३४२ ॐ जाग्रत्यै नमः।
३४३ ॐ ज्वरदेवतायै नमः।
३४४ ॐ ज्वलन्त्यै नमः।
३४५ ॐ जलदायै नमः।
३४६ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
३४७ ॐ ज्याघोषास्फोटदिङ्मुख्यै नमः।
३४८ ॐ जम्भिन्यै नमः।
३४९ ॐ जृम्भणायै नमः।
३५० ॐ जृम्भायै नमः।
३५१ ॐ ज्वलन्माणिक्यकुण्डलायै नमः।
३५२ ॐ झिञ्झिकायै नमः।
३५३ ॐ झणनिर्घोषायै नमः।
३५४ ॐ झंझामारुतवेगिन्यै नमः।
३५५ ॐ झल्लरीवाद्यकुशलायै नमः।

३५६ ॐ जरूपायै नमः।
३५७ ॐ जभुजायै नमः।
३५८ ॐ टङ्कबाणसमायुक्तायै नमः।
३५९ ॐ टङ्किन्यै नमः।
३६० ॐ टङ्कभेदिन्यै नमः।
३६१ ॐ टङ्कीगणकृताघोषायै नमः।
३६२ ॐ टङ्कनीयमहोरसायै नमः।
३६३ ॐ टङ्कारकारिण्यै देव्यै नमः।
३६४ ॐ ठठशब्दनिनादिन्यै नमः।
३६५ ॐ डामर्यै नमः।
३६६ ॐ डाकिन्यै नमः।
३६७ ॐ डिम्भायै नमः।
३६८ ॐ डुण्डुमारैकनिर्जितायै नमः।
३६९ ॐ डामरीतन्त्रमार्गस्थायै नमः।
३७० ॐ डमड्डुमरुनादिन्यै नमः।
३७१ ॐ डिण्डीरवसहायै नमः।
३७२ ॐ डिम्भलसत्क्रीडापरायणायै नमः।
३७३ ॐ ढुण्ढविघ्नेशजनन्यै नमः।

३७४ ॐ ढक्काहस्तायै नमः।
३७५ ॐ ढिलिव्रजायै नमः।
३७६ ॐ नित्यज्ञानायै नमः।
३७७ ॐ निरूपमायै नमः।
३७८ ॐ निर्गुणायै नमः।
३७९ ॐ नर्मदायै नमः।
३८० ॐ नद्यै नमः।
३८१ ॐ त्रिगुणायै नमः।
३८२ ॐ त्रिपदायै नमः।
३८३ ॐ तन्व्यै नमः।
३८४ ॐ तुलसीतरुणातरवे नमः।
३८५ ॐ त्रिविक्रमपदाक्रान्तायै नमः।
३८६ ॐ तुरीयपदगामिन्यै नमः।
३८७ ॐ तरुणादित्यसंकाशायै नमः।
३८८ ॐ तामस्यै नमः।
३८९ ॐ तुहिनायै नमः।
३९० ॐ तुरायै नमः।
३९१ ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः।

३९२ ॐ त्रिवेण्यै नमः।
३९३ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
३९४ ॐ त्रिशक्त्यै नमः।
३९५ ॐ त्रिपुरायै नमः।
३९६ ॐ तुङ्गायै नमः।
३९७ ॐ तुरङ्गवदनायै नमः।
३९८ ॐ तिमिङ्गिलगिलायै नमः।
३९९ ॐ तीव्रायै नमः।
४०० ॐ त्रिस्रोतायै नमः।
४०१ ॐ तामसादित्यै नमः।
४०२ ॐ तन्त्रमन्त्रविशेषज्ञायै नमः।
४०३ ॐ तनुमध्यायै नमः।
४०४ ॐ त्रिविष्टपायै नमः।
४०५ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
४०६ ॐ त्रिस्तन्यै नमः।
४०७ ॐ तोषासंस्थायै नमः।
४०८ ॐ तालप्रतापिन्यै नमः।
४०९ ॐ ताटङ्किन्यै नमः।

४१० ॐ तुषाराभायै नमः।
४११ ॐ तुहिनाचलवासिन्यै नमः।
४१२ ॐ तन्तुजालसमायुक्तायै नमः।
४१३ ॐ तारहारावलिप्रियायै नमः।
४१४ ॐ तिलहोमप्रियायै नमः।
४१५ ॐ तीर्थायै नमः।
४१६ ॐ तमालकुसुमाकृत्यै नमः।
४१७ ॐ तारकायै नमः।
४१८ ॐ त्रियुतायै नमः।
४१९ ॐ तन्व्यै नमः।
४२० ॐ त्रिशंकुपरिवारितायै नमः।
४२१ ॐ तलोदर्यै नमः।
४२२ ॐ तिलाभूषायै नमः।
४२३ ॐ ताटङ्कप्रियवाहिन्यै नमः।
४२४ ॐ त्रिजटायै नमः।
४२५ ॐ तित्तिर्यै नमः।
४२६ ॐ तृष्णायै नमः।
४२७ ॐ त्रिविधायै नमः।

४२८ ॐ तरुणाकृत्यै नमः।
४२९ ॐ तप्तकाञ्चनसंकाशायै नमः।
४३० ॐ तप्तकाञ्चनभूषणायै नमः।
४३१ ॐ त्रैयम्बकायै नमः।
४३२ ॐ त्रिवर्गायै नमः।
४३३ ॐ त्रिकालज्ञानदायिन्यै नमः।
४३४ ॐ तर्पणायै नमः।
४३५ ॐ तृप्तिदायै नमः।
४३६ ॐ तृप्तायै नमः।
४३७ ॐ तामस्यै नमः।
४३८ ॐ तुम्बुरुस्तुतायै नमः।
४३९ ॐ तार्क्ष्यस्थायै नमः।
४४० ॐ त्रिगुणाकारायै नमः।
४४१ ॐ त्रिभङ्ग्यै नमः।
४४२ ॐ तनुवल्ल्यै नमः।
४४३ ॐ थात्कार्य्यै नमः।
४४४ ॐ थारवायै नमः।
४४५ ॐ थान्तायै नमः।

४४६ ॐ दोहिन्यै नमः।
४४७ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
४४८ ॐ दानवान्तकर्यै नमः।
४४९ ॐ दुर्गायै नमः।
४५० ॐ दुर्गासुरनिबर्हिण्यै नमः।
४५१ ॐ देवरीत्यै नमः।
४५२ ॐ दिवारात्र्यै नमः।
४५३ ॐ द्रौपद्यै नमः।
४५४ ॐ दुन्दुभिस्वनायै नमः।
४५५ ॐ देवयान्यै नमः।
४५६ ॐ दुरावासायै नमः।
४५७ ॐ दारिद्र्योद्भेदिन्यै नमः।
४५८ ॐ दिवायै नमः।
४५९ ॐ दामोदरप्रियायै नमः।
४६० ॐ दीप्तायै नमः।
४६१ ॐ दिग्वासायै नमः।
४६२ ॐ दिग्विमोहिन्यै नमः।
४६३ ॐ दण्डकारण्यनिलयायै नमः।

४६४ ॐ दण्डिन्यै नमः।
४६५ ॐ देवपूजितायै नमः।
४६६ ॐ देववन्द्यायै नमः।
४६७ ॐ दिविषदायै नमः।
४६८ ॐ द्वेषिण्यै नमः।
४६९ ॐ दानवाकृत्यै नमः।
४७० ॐ दीनानाथस्तुतायै नमः।
४७१ ॐ दीक्षायै नमः।
४७२ ॐ दैवतादिस्वरूपिण्यै नमः।
४७३ ॐ धात्र्यै नमः।
४७४ ॐ धनुर्धरायै नमः।
४७५ ॐ धेन्वै नमः।
४७६ ॐ धारिण्यै नमः।
४७७ ॐ धर्मचारिण्यै नमः।
४७८ ॐ धरन्धरायै नमः।
४७९ ॐ धराधारायै नमः।
४८० ॐ धनदायै नमः।
४८१ ॐ धान्यदोहिन्यै नमः।

४८२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
४८३ ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
४८४ ॐ धनुर्वेदविशारदायै नमः।
४८५ ॐ धृत्यै नमः।
४८६ ॐ धन्यायै नमः।
४८७ ॐ धृतपदायै नमः।
४८८ ॐ धर्मराजप्रियायै नमः।
४८९ ॐ ध्रुवायै नमः।
४९० ॐ धूमावत्यै नमः।
४९१ ॐ धूम्रकेश्यै नमः।
४९२ ॐ धर्मशास्त्रप्रकाशिन्यै नमः।
४९३ ॐ नन्दायै नमः।
४९४ ॐ नन्दप्रियायै नमः।
४९५ ॐ निद्रायै नमः।
४९६ ॐ नृनुतायै नमः।
४९७ ॐ नन्दनात्मिकायै नमः।
४९८ ॐ नर्मदायै नमः।
४९९ ॐ नलिन्यै नमः।

५०० ॐ नीलायै नमः।
५०१ ॐ नीलकण्ठसमाश्रयायै नमः।
५०२ ॐ नारायणप्रियायै नमः।
५०३ ॐ नित्यायै नमः।
५०४ ॐ निर्मलायै नमः।
५०५ ॐ निर्गुणायै नमः।
५०६ ॐ निधये नमः।
५०७ ॐ निराधारायै नमः।
५०८ ॐ निरुपमायै नमः।
५०९ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५१० ॐ निरञ्जनायै नमः।
५११ ॐ नादबिन्दुकलातीतायै नमः।
५१२ ॐ नादबिन्दुकलात्मिकायै नमः।
५१३ ॐ नृसिंहिन्यै नमः।
५१४ ॐ नगधरायै नमः।
५१५ ॐ नृपनागविभूषितायै नमः।
५१६ ॐ नरकक्लेशशमन्यै नमः।
५१७ ॐ नारायणपदोद्भवायै नमः।

५१८ ॐ निरवद्यायै नमः।
५१९ ॐ निराकारायै नमः।
५२० ॐ नारदप्रियकारिण्यै नमः।
५२१ ॐ नानाज्योतिःसमाख्यातायै नमः।
५२२ ॐ निधिदायै नमः।
५२३ ॐ निर्मलात्मिकायै नमः।
५२४ ॐ नवसूत्रधरायै नमः।
५२५ ॐ नीत्यै नमः।
५२६ ॐ निरुपद्रवकारिण्यै नमः।
५२७ ॐ नन्दजायै नमः।
५२८ ॐ नवरत्नाढ्यायै नमः।
५२९ ॐ नैमिषारण्यवासिन्यै नमः।
५३० ॐ नवनीतिप्रियायै नमः।
५३१ ॐ नार्य्यै नमः।
५३२ ॐ नीलजीमूतनिस्वनायै नमः।
५३३ ॐ निमेषिण्यै नमः।
५३४ ॐ नदीरूपायै नमः।
५३५ ॐ नीलग्रीवायै नमः।

५३६ ॐ निशीश्वर्यै नमः।
५३७ ॐ नामावल्यै नमः।
५३८ ॐ निशुम्भघ्न्यै नमः।
५३९ ॐ नागलोकनिवासिन्यै नमः।
५४० ॐ नवजाम्बूनदप्रख्यायै नमः।
५४१ ॐ नागलोकाधिदेवतायै नमः।
५४२ ॐ नूपुराक्रान्तचरणायै नमः।
५४३ ॐ नरचित्तप्रमोदिन्यै नमः।
५४४ ॐ निमग्नारक्तनयनायै नमः।
५४५ ॐ निर्घातसमनिस्वनायै नमः।
५४६ ॐ नन्दनोद्याननिलयायै नमः।
५४७ ॐ निर्व्यूहोपरिचारिण्यै नमः।
५४८ ॐ पार्वत्यै नमः।
५४९ ॐ परमोदारायै नमः।
५५० ॐ परब्रह्मात्मिकायै नमः।
५५१ ॐ परस्यै नमः।
५५२ ॐ पञ्चकोशविनिर्मुक्तायै नमः।
५५३ ॐ पञ्चपातकनाशिन्यै नमः।

५५४ ॐ परचित्तविधानज्ञायै नमः।
५५५ ॐ पञ्चिकायै नमः।
५५६ ॐ पञ्चरूपिण्यै नमः।
५५७ ॐ पूर्णिमायै नमः।
५५८ ॐ परमायै नमः।
५५९ ॐ प्रीत्यै नमः।
५६० ॐ परतेजसे नमः।
५६१ ॐ प्रकाशिन्यै नमः।
५६२ ॐ पुराण्यै नमः।
५६३ ॐ पौरुष्यै नमः।
५६४ ॐ पुण्यायै नमः।
५६५ ॐ पुण्डरीकनिभेक्षणायै नमः।
५६६ ॐ पातालतलनिमग्नायै नमः।
५६७ ॐ प्रीतायै नमः।
५६८ ॐ प्रीतिविवर्धिन्यै नमः।
५६९ ॐ पावन्यै नमः।
५७० ॐ पादसहितायै नमः।
५७१ ॐ पेशलायै नमः।

५७२ ॐ पवनाशिन्यै नमः।
५७३ ॐ प्रजापतये नमः।
५७४ ॐ परिश्रान्तायै नमः।
५७५ ॐ पर्वतस्तनमण्डलायै नमः।
५७६ ॐ पद्मप्रियायै नमः।
५७७ ॐ पद्मसंस्थायै नमः।
५७८ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
५७९ ॐ पद्मसम्भवायै नमः।
५८० ॐ पद्मपत्रायै नमः।
५८१ ॐ पद्मपदायै नमः।
५८२ ॐ पद्मिन्यै नमः।
५८३ ॐ प्रियभाषिण्यै नमः।
५८४ ॐ पशुपाशविनिर्मुक्तायै नमः।
५८५ ॐ पुरन्ध्र्यै नमः।
५८६ ॐ पुरवासिन्यै नमः।
५८७ ॐ पुष्कलायै नमः।
५८८ ॐ पुरुषायै नमः।
५८९ ॐ पर्वायै नमः।

५९० ॐ पारिजातसुमप्रियायै नमः।
५९१ ॐ पतिव्रतायै नमः।
५९२ ॐ पवित्राङ्ग्यै नमः।
५९३ ॐ पुष्पहासपरायणायै नमः।
५९४ ॐ प्रज्ञावतीसुतायै नमः।
५९५ ॐ पौत्र्यै नमः।
५९६ ॐ पुत्रपूज्यायै नमः।
५९७ ॐ पयस्विन्यै नमः।
५९८ ॐ पट्टिपाशधरायै नमः।
५९९ ॐ पङ्क्त्यै नमः।
६०० ॐ पितृलोकप्रदायिन्यै नमः।
६०१ ॐ पुराण्यै नमः।
६०२ ॐ पुण्यशीलायै नमः।
६०३ ॐ प्रणतार्तिविनाशिन्यै नमः।
६०४ ॐ प्रद्युम्नजनन्यै नमः।
६०५ ॐ पुष्टायै नमः।
६०६ ॐ पितामहपरिग्रहायै नमः।
६०७ ॐ पुण्डरीकपुरावासायै नमः।

६०८ ॐ पुण्डरीकसमाननायै नमः।
६०९ ॐ पृथुजङ्घायै नमः।
६१० ॐ पृथुभुजायै नमः।
६११ ॐ पृथुपादायै नमः।
६१२ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६१३ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६१४ ॐ पिङ्गाक्ष्यै नमः।
६१५ ॐ पीतवाससे नमः।
६१६ ॐ प्रचापलायै नमः।
६१७ ॐ प्रसवायै नमः।
६१८ ॐ पुष्टिदायै नमः।
६१९ ॐ पुण्यायै नमः।
६२० ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
६२१ ॐ प्रणवागतये नमः।
६२२ ॐ पञ्चवर्णायै नमः।
६२३ ॐ पञ्चवाण्यै नमः।
६२४ ॐ पञ्चिकायै नमः।
६२५ ॐ पञ्जरस्थितायै नमः।

६२६ ॐ परमायायै नमः।
६२७ ॐ परज्योतये नमः।
६२८ ॐ परप्रीतये नमः।
६२९ ॐ परागतये नमः।
६३० ॐ पराकाष्ठायै नमः।
६३१ ॐ परेशान्यै नमः।
६३२ ॐ पाविन्यै नमः।
६३३ ॐ पावकद्युतये नमः।
६३४ ॐ पुण्यभद्रायै नमः।
६३५ ॐ परिच्छेद्यायै नमः।
६३६ ॐ पुष्पहासायै नमः।
६३७ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६३८ ॐ पीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ पीतवसनायै नमः।
६४० ॐ पीतशय्यायै नमः।
६४१ ॐ पिशाचिन्यै नमः।
६४२ ॐ पीतक्रियायै नमः।
६४३ ॐ पिशाचघ्न्यै नमः।

६४४ ॐ पाटलाक्ष्यै नमः।
६४५ ॐ पटुक्रियायै नमः।
६४६ ॐ पञ्चभक्षप्रियाचारायै नमः।
६४७ ॐ पूतनाप्राणघातिन्यै नमः।
६४८ ॐ पुन्नागवनमध्यस्थायै नमः।
६४९ ॐ पुण्यतीर्थनिषेवितायै नमः।
६५० ॐ पञ्चाङ्ग्यै नमः।
६५१ ॐ पराशक्तये नमः।
६५२ ॐ परमाह्लादकारिण्यै नमः।
६५३ ॐ पुष्पकाण्डस्थितायै नमः।
६५४ ॐ पूषायै नमः।
६५५ ॐ पोषिताखिलविष्टपायै नमः।
६५६ ॐ पानप्रियायै नमः।
६५७ ॐ पञ्चशिखायै नमः।
६५८ ॐ पन्नगोपरिशायिन्यै नमः।
६५९ ॐ पञ्चमात्रात्मिकायै नमः।
६६० ॐ पृथ्व्यै नमः।
६६१ ॐ पथिकायै नमः।

६६२ ॐ पृथुदोहिन्यै नमः।
६६३ ॐ पुराणन्यायमीमांसायै नमः।
६६४ ॐ पाटल्यै नमः।
६६५ ॐ पुष्पगन्धिन्यै नमः।
६६६ ॐ पुण्यप्रजायै नमः।
६६७ ॐ पारदात्र्यै नमः।
६६८ ॐ परमार्गैकगोचरायै नमः।
६६९ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६७० ॐ पूर्णाशायै नमः।
६७१ ॐ प्रणवायै नमः।
६७२ ॐ पल्लवोदर्यै नमः।
६७३ ॐ फलिन्यै नमः।
६७४ ॐ फलदायै नमः।
६७५ ॐ फल्गवे नमः।
६७६ ॐ फूत्कार्यै नमः।
६७७ ॐ फलकाकृतये नमः।
६७८ ॐ फणीन्द्रभोगशयनायै नमः।
६७९ ॐ फणिमण्डलमण्डितायै नमः।

६८० ॐ बालबालायै नमः।
६८१ ॐ बहुमतायै नमः।
६८२ ॐ बालातपनिभांशुकायै नमः।
६८३ ॐ बलभद्रप्रियायै नमः।
६८४ ॐ वन्द्यायै नमः।
६८५ ॐ वडवायै नमः।
६८६ ॐ बुद्धिसंस्तुतायै नमः।
६८७ ॐ बन्दीदेव्यै नमः।
६८८ ॐ बिलवत्यै नमः।
६८९ ॐ बडिशघ्न्यै नमः।
६९० ॐ बलिप्रियायै नमः।
६९१ ॐ बान्धव्यै नमः।
६९२ ॐ बोधितायै नमः।
६९३ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६९४ ॐ बन्धूककुसुमप्रियायै नमः।
६९५ ॐ बालभानुप्रभाकारायै नमः।
६९६ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६९७ ॐ ब्राह्मणदेवतायै नमः।

६९८ ॐ बृहस्पतिस्तुतायै नमः।
६९९ ॐ वृन्दायै नमः।
७०० ॐ वृन्दावनविहारिण्यै नमः।
७०१ ॐ बालाकिन्यै नमः।
७०२ ॐ बिलाहारायै नमः।
७०३ ॐ बिलवासायै नमः।
७०४ ॐ बहूदकायै नमः।
७०५ ॐ बहुनेत्रायै नमः।
७०६ ॐ बहुपदायै नमः।
७०७ ॐ बहुकर्णावतंसिकायै नमः।
७०८ ॐ बहुबाहुयुतायै नमः।
७०९ ॐ बीजरूपिण्यै नमः।
७१० ॐ बहुरूपिण्यै नमः।
७११ ॐ बिन्दुनादकलातीतायै नमः।
७१२ ॐ बिन्दुनादस्वरूपिण्यै नमः।
७१३ ॐ बद्धगोधाङ्गुलित्राणायै नमः।
७१४ ॐ बदर्याश्रमवासिन्यै नमः।
७१५ ॐ बृन्दारकायै नमः।

७१६ ॐ बृहत्स्कन्धायै नमः।
७१७ ॐ बृहत्यै नमः।
७१८ ॐ बाणपातिन्यै नमः।
७१९ ॐ वृन्दाध्यक्षायै नमः।
७२० ॐ बहुनुतायै नमः।
७२१ ॐ वनितायै नमः।
७२२ ॐ बहुविक्रमायै नमः।
७२३ ॐ बद्धपद्मासनासीनायै नमः।
७२४ ॐ बिल्वपत्रतलस्थितायै नमः।
७२५ ॐ बोधिद्रुमनिजावासायै नमः।
७२६ ॐ बडिस्थायै नमः।
७२७ ॐ बिन्दुदर्पणायै नमः।
७२८ ॐ बालायै नमः।
७२९ ॐ बाणासनवत्यै नमः।
७३० ॐ बडवानलवेगिन्यै नमः।
७३१ ॐ ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्थायै नमः।
७३२ ॐ ब्रह्मकङ्कणसूत्रिण्यै नमः।
७३३ ॐ भवान्यै नमः।

७३४ ॐ भीषणवत्यै नमः।
७३५ ॐ भाविन्यै नमः।
७३६ ॐ भयहारिण्यै नमः।
७३७ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
७३८ ॐ भुजङ्गाक्ष्यै नमः।
७३९ ॐ भारत्यै नमः।
७४० ॐ भारताशयायै नमः।
७४१ ॐ भैरव्यै नमः।
७४२ ॐ भीषणाकारायै नमः।
७४३ ॐ भूतिदायै नमः।
७४४ ॐ भूतिमालिन्यै नमः।
७४५ ॐ भामिन्यै नमः।
७४६ ॐ भोगनिरतायै नमः।
७४७ ॐ भद्रदायै नमः।
७४८ ॐ भूरिविक्रमायै नमः।
७४९ ॐ भूतवासायै नमः।
७५० ॐ भृगुलतायै नमः।
७५१ ॐ भार्गव्यै नमः।

७५२ ॐ भूसुरार्चितायै नमः।
७५३ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७५४ ॐ भोगवत्यै नमः।
७५५ ॐ भवनस्थायै नमः।
७५६ ॐ भिषग्वरायै नमः।
७५७ ॐ भामिन्यै नमः।
७५८ ॐ भोगिन्यै नमः।
७५९ ॐ भाषायै नमः।
७६० ॐ भवान्यै नमः।
७६१ ॐ भूरिदक्षिणायै नमः।
७६२ ॐ भर्गात्मिकायै नमः।
७६३ ॐ भीमवत्यै नमः।
७६४ ॐ भवबन्धविमोचिन्यै नमः।
७६५ ॐ भजनीयायै नमः।
७६६ ॐ भूतधात्रीरञ्जितायै नमः।
७६७ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
७६८ ॐ भुजङ्गवलयायै नमः।
७६९ ॐ भीमायै नमः।

७७० ॐ भेरुण्डायै नमः।
७७१ ॐ भागधेयिन्यै नमः।
७७२ ॐ मात्रे नमः।
७७३ ॐ मायायै नमः।
७७४ ॐ मधुमत्यै नमः।
७७५ ॐ मधुजिह्वायै नमः।
७७६ ॐ मधुप्रियायै नमः।
७७७ ॐ महादेव्यै नमः।
७७८ ॐ महाभागायै नमः।
७७९ ॐ मालिन्यै नमः।
७८० ॐ मीनलोचनायै नमः।
७८१ ॐ मायातीतायै नमः।
७८२ ॐ मधुमत्यै नमः।
७८३ ॐ मधुमांसायै नमः।
७८४ ॐ मधुद्रवायै नमः।
७८५ ॐ मानव्यै नमः।
७८६ ॐ मधुसम्भूतायै नमः।
७८७ ॐ मिथिलापुरवासिन्यै नमः।

७८८ ॐ मधुकैटभसंहर्त्र्यै नमः।
७८९ ॐ मेदिन्यै नमः।
७९० ॐ मेघमालिन्यै नमः।
७९१ ॐ मन्दोदर्यै नमः।
७९२ ॐ महामायायै नमः।
७९३ ॐ मैथिल्यै नमः।
७९४ ॐ मसृणप्रियायै नमः।
७९५ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७९६ ॐ महाकाल्यै नमः।
७९७ ॐ महाकन्यायै नमः।
७९८ ॐ महेश्वर्यै नमः।
७९९ ॐ माहेन्द्र्यै नमः।
८०० ॐ मेरुतनयायै नमः।
८०१ ॐ मन्दारकुसुमार्चितायै नमः।
८०२ ॐ मञ्जुमञ्जीरचरणायै नमः।
८०३ ॐ मोक्षदायै नमः।
८०४ ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः।
८०५ ॐ मधुरद्राविण्यै नमः।

८०६ ॐ मुद्रायै नमः।
८०७ ॐ मलयायै नमः।
८०८ ॐ मलयान्वितायै नमः।
८०९ ॐ मेधायै नमः।
८१० ॐ मरकतश्यामायै नमः।
८११ ॐ मागध्यै नमः।
८१२ ॐ मेनकात्मजायै नमः।
८१३ ॐ महामायै नमः।
८१४ ॐ महावीरायै नमः।
८१५ ॐ महाश्यामायै नमः।
८१६ ॐ मनुस्तुतायै नमः।
८१७ ॐ मातृकायै नमः।
८१८ ॐ मिहिराभासायै नमः।
८१९ ॐ मुकुन्दपदविक्रमायै नमः।
८२० ॐ मूलाधारस्थितायै नमः।
८२१ ॐ मुग्धायै नमः।
८२२ ॐ मणिपूरकवासिन्यै नमः।
८२३ ॐ मृगाक्ष्यै नमः।

८२४ ॐ महिषारूढायै नमः।
८२५ ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः।
८२६ ॐ योगासनायै नमः।
८२७ ॐ योगगम्यायै नमः।
८२८ ॐ योगायै नमः।
८२९ ॐ यौवनकाश्रयायै नमः।
८३० ॐ यौवन्यै नमः।
८३१ ॐ युद्धमध्यस्थायै नमः।
८३२ ॐ यमुनायै नमः।
८३३ ॐ युगधारिण्यै नमः।
८३४ ॐ यक्षिण्यै नमः।
८३५ ॐ योगयुक्तायै नमः।
८३६ ॐ यक्षराजप्रसूतिन्यै नमः।
८३७ ॐ यात्रायै नमः।
८३८ ॐ यानविधानज्ञायै नमः।
८३९ ॐ यदुवंशसमुद्भवायै नमः।
८४० ॐ यकारादिहकारान्तायै नमः।
८४१ ॐ याजुष्यै नमः।

८४२ ॐ यज्ञरूपिण्यै नमः।
८४३ ॐ यामिन्यै नमः।
८४४ ॐ योगनिरतायै नमः।
८४५ ॐ यातुधानभयङ्कर्यै नमः।
८४६ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
८४७ ॐ रमण्यै नमः।
८४८ ॐ रामायै नमः।
८४९ ॐ रेवत्यै नमः।
८५० ॐ रेणुकायै नमः।
८५१ ॐ रत्यै नमः।
८५२ ॐ रौद्र्यै नमः।
८५३ ॐ रौद्रप्रियाकारायै नमः।
८५४ ॐ राममात्रे नमः।
८५५ ॐ रतिप्रियायै नमः।
८५६ ॐ रोहिण्यै नमः।
८५७ ॐ राज्यदायै नमः।
८५८ ॐ रेवायै नमः।
८५९ ॐ रमायै नमः।

८६० ॐ राजीवलोचनायै नमः।
८६१ ॐ राकेश्यै नमः।
८६२ ॐ रूपसम्पन्नायै नमः।
८६३ ॐ रत्नसिंहासनस्थितायै नमः।
८६४ ॐ रक्तमाल्याम्बरधरायै नमः।
८६५ ॐ रक्तगन्धानुलेपनायै नमः।
८६६ ॐ राजहंससमारूढायै नमः।
८६७ ॐ रम्भायै नमः।
८६८ ॐ रक्तबलिप्रियायै नमः।
८६९ ॐ रमणीययुगाधारायै नमः।
८७० ॐ राजिताखिलभूतलायै नमः।
८७१ ॐ रुरुचर्मपरीधानायै नमः।
८७२ ॐ रथिन्यै नमः।
८७३ ॐ रत्नमालिकायै नमः।
८७४ ॐ रोगेश्यै नमः।
८७५ ॐ रोगशमन्यै नमः।
८७६ ॐ राविण्यै नमः।
८७७ ॐ रोमहर्षिण्यै नमः।

८७८ ॐ रामचन्द्रपदाक्रान्तायै नमः।
८७९ ॐ रावणच्छेदकारिण्यै नमः।
८८० ॐ रत्नवस्त्रपरिच्छन्नायै नमः।
८८१ ॐ रथस्थायै नमः।
८८२ ॐ रुक्मभूषणायै नमः।
८८३ ॐ लज्जाधिदेवतायै नमः।
८८४ ॐ लोलायै नमः।
८८५ ॐ ललितायै नमः।
८८६ ॐ लिङ्गधारिण्यै नमः।
८८७ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
८८८ ॐ लोलायै नमः।
८८९ ॐ लुप्तविषायै नमः।
८९० ॐ लोकिन्यै नमः।
८९१ ॐ लोकविश्रुतायै नमः।
८९२ ॐ लज्जायै नमः।
८९३ ॐ लम्बोदर्यै देव्यै नमः।
८९४ ॐ ललनायै नमः।
८९५ ॐ लोकधारिण्यै नमः।

८९६ ॐ वरदायै नमः।
८९७ ॐ वन्दितायै नमः।
८९८ ॐ विद्यायै नमः।
८९९ ॐ वैष्णव्यै नमः।
९०० ॐ विमलाकृत्यै नमः।
९०१ ॐ वाराह्यै नमः।
९०२ ॐ विरजायै नमः।
९०३ ॐ वर्षायै नमः।
९०४ ॐ वरलक्ष्म्यै नमः।
९०५ ॐ विलासिन्यै नमः।
९०६ ॐ विनतायै नमः।
९०७ ॐ व्योममध्यस्थायै नमः।
९०८ ॐ वारिजासनसंस्थितायै नमः।
९०९ ॐ वारुण्यै नमः।
९१० ॐ वेणुसम्भूतायै नमः।
९११ ॐ वीतिहोत्रायै नमः।
९१२ ॐ विरूपिण्यै नमः।
९१३ ॐ वायुमण्डलमध्यस्थायै नमः।
९१४ ॐ विष्णुरूपायै नमः।
९१५ ॐ विधिप्रियायै नमः।

११६ ॐ विष्णुपत्न्यै नमः।
११७ ॐ विष्णुमत्यै नमः।
११८ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
११९ ॐ वसुन्धरायै नमः।
१२० ॐ वामदेवप्रियायै नमः।
१२१ ॐ वेलायै नमः।
१२२ ॐ वज्रिण्यै नमः।
१२३ ॐ वसुदोहिन्यै नमः।
१२४ ॐ वेदाक्षरपरीताङ्ग्यै नमः।
१२५ ॐ वाजपेयफलप्रदायै नमः।
१२६ ॐ वासव्यै नमः।
१२७ ॐ वामजनन्यै नमः।
१२८ ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः।
१२९ ॐ वरायै नमः।
१३० ॐ व्यासप्रियायै नमः।
१३१ ॐ वर्मधरायै नमः।
१३२ ॐ वाल्मीकिपरिसेवितायै नमः।
१३३ ॐ शाकम्भर्यै नमः।
१३४ ॐ शिवायै नमः।
१३५ ॐ शान्तायै नमः।

९३६ ॐ शारदायै नमः।
९३७ ॐ शरणागतये नमः।
९३८ ॐ शातोदर्यै नमः।
९३९ ॐ शुभाचारायै नमः।
९४० ॐ शुम्भासुरविमर्दिन्यै नमः।
९४१ ॐ शोभावत्यै नमः।
९४२ ॐ शिवाकारायै नमः।
९४३ ॐ शङ्करार्द्धशरीरिण्यै नमः।
९४४ ॐ शोणायै नमः।
९४५ ॐ शुभाशयायै नमः।
९४६ ॐ शुभ्रायै नमः।
९४७ ॐ शिरःसंधानकारिण्यै नमः।
९४८ ॐ शरावत्यै नमः।
९४९ ॐ शरानन्दायै नमः।
९५० ॐ शरज्ज्योत्स्नायै नमः।
९५१ ॐ शुभाननायै नमः।
९५२ ॐ शरभायै नमः।
९५३ ॐ शूलिन्यै नमः।
९५४ ॐ शुद्धायै नमः।
९५५ ॐ शबर्यै नमः।

१५६ ॐ शुकवाहनायै नमः।
१५७ ॐ श्रीमत्यै नमः।
१५८ ॐ श्रीधरानन्दायै नमः।
१५९ ॐ श्रवणानन्ददायिन्यै नमः।
१६० ॐ शर्वाण्यै नमः।
१६१ ॐ शर्वरीवन्द्यायै नमः।
१६२ ॐ षड्भाषायै नमः।
१६३ ॐ षड्ऋतुप्रियायै नमः।
१६४ ॐ षडाधारस्थितायै देव्यै नमः।
१६५ ॐ षण्मुखप्रियकारिण्यै नमः।
१६६ ॐ षडङ्गरूपसुमतिसुरासुर-नमस्कृतायै नमः।
१६७ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१६८ ॐ सदाधारायै नमः।
१६९ ॐ सर्वमङ्गलकारिण्यै नमः।
१७० ॐ सामगानप्रियायै नमः।
१७१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१७२ ॐ सावित्र्यै नमः।
१७३ ॐ सामसम्भवायै नमः।
१७४ ॐ सर्वावासायै नमः।

९७५ ॐ सदानन्दायै नमः।
९७६ ॐ सुस्तन्यै नमः।
९७७ ॐ सागराम्बरायै नमः।
९७८ ॐ सर्वैश्वर्यप्रियायै नमः।
९७९ ॐ सिद्धयै नमः।
९८० ॐ साधुबन्धुपराक्रमायै नमः।
९८१ ॐ सप्तर्षिमण्डलगतायै नमः।
९८२ ॐ सोममण्डलवासिन्यै नमः।
९८३ ॐ सर्वज्ञायै नमः।
९८४ ॐ सान्द्रकरुणायै नमः।
९८५ ॐ समानाधिकवर्जितायै नमः।
९८६ ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः।
९८७ ॐ सङ्गहीनायै नमः।
९८८ ॐ सद्गुणायै नमः।
९८९ ॐ सकलेष्टदायै नमः।
९९० ॐ सरघायै नमः।
९९१ ॐ सूर्यतनयायै नमः।
९९२ ॐ सुकेश्यै नमः।
९९३ ॐ सोमसंहतये नमः।
९९४ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।

९९५ ॐ हरिण्यै नमः।
९९६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
९९७ ॐ हंसवाहिन्यै नमः।
९९८ ॐ क्षौमवस्त्रपरीताङ्ग्यै नमः।
९९९ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।
१००० ॐ क्षमायै नमः।
१००१ ॐ गायत्र्यै नमः।
१००२ ॐ सावित्र्यै नमः।
१००३ ॐ पार्वत्यै नमः।
१००४ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१००५ ॐ वेदगर्भायै नमः।
१००६ ॐ वरारोहायै नमः।
१००७ ॐ श्रीगायत्र्यै नमः।
१००८ ॐ पराम्बिकायै नमः।

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे श्रीगायत्रीसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

'गीताप्रेस' गोरखपुरकी निजी दूकानें तथा स्टेशन-स्टाल

गोरखपुर-२७३००५ गीताप्रेस—पो० गीताप्रेस✆ (०५५१) २३३४७२१; फैक्स २३३६९९७
website:www.gitapress.org / e-mail: booksales@gitapress.org

दिल्ली-११०००६ २६०९, नयी सड़क ✆ (०११) २३२६९६७८; फैक्स २३२५९१४०

कोलकाता-७००००७ गोबिन्दभवन-कार्यालय; १५१, महात्मा गाँधी रोड ✆ (०३३) २२६८६८९४;
e-mail:gobindbhawan@gitapress.org फैक्स २२६८०२५१

मुम्बई-४००००२ २८२, सामलदास गाँधी मार्ग (प्रिन्सेस स्ट्रीट)
मरीन लाईन्स स्टेशनके पास ✆ (०२२) २२०३०३१७

कानपुर-२०८००१ २४/५५, बिरहाना रोड ✆ (०५१२) २३५२३५१; फैक्स २३५२३५१

पटना-८००००४ अशोकराजपथ, महिला अस्पतालके सामने ✆ (०६१२) २३००३२५

राँची-८३४००१ कोर्ट सरय रोड, अपर बाजार, बिड़ला गद्दीके प्रथम तलपर ✆ (०६५१) २२१०६८५

सूरत-३९५००१ वैभव एपार्टमेन्ट, नूतन निवासके सामने, भटार रोड
e-mail: suratdukan@gitapress.org; ✆ (०२६१) २२३७३६२, २२३८०६५

इन्दौर-४५२००१ जी०५, श्रीवर्धन, ४ आर. एन. टी. मार्ग✆ (०७३१) २५२६५१६, २५११९७७

जलगाँव-४२५००१ ७, भीमसिंह मार्केट, रेलवे स्टेशनके पास ✆ (०२५७) २२२६३९३

हैदराबाद-५०००९६ ४१,४-४-१, दिलशाद प्लाजा, सुल्तान बाजार ✆ (०४०) २४७५८३११

नागपुर-४४०००२ श्रीजी कृपा कॉम्प्लेक्स, ८५१, न्यू इतवारी रोड ✆ (०७१२) २७३४३५४

कटक-७५३००९ भरतिया टावर्स, बादाम बाड़ी ✆ (०६७१) २३३५४८१

रायपुर-४९२००९ मिलन कॉम्प्लेक्स, गंजपारा, तेलघानी चौक (छत्तीसगढ़) ✆ (०७७१) ४०३४४३०

वाराणसी-२२१००१ ५९/९, नीचीबाग ✆ (०५४२) २४१३५५१
e-mail:varanasidukan@gitapress.org

हरिद्वार-२४९४०१ सब्जीमण्डी, मोतीबाजार ✆ (०१३३४) २२२६५७

ऋषिकेश-२४९३०४ गीताभवन, पो० स्वर्गाश्रम ✆ (०१३५) २४३०१२२, २४३२७९२
e-mail:gitabhawan@gitapress.org

स्टेशन-स्टाल—

दिल्ली (प्लेटफार्म नं० १२); नयी दिल्ली (नं० ८-९); हजरत निजामुद्दीन [दिल्ली] (नं० ४-५); कोटा [राजस्थान] (नं० १); बीकानेर (नं० १); गोरखपुर (नं० १); कानपुर (नं० १); लखनऊ [एन० ई० रेलवे]; वाराणसी (नं० ४-५); मुगलसराय (नं० ३-४); हरिद्वार (नं० १); पटना (मुख्य प्रवेशद्वार); राँची (नं० १); धनबाद (नं० २-३); मुजफ्फरपुर (नं० १); समस्तीपुर (नं० २); हावड़ा (नं० ५ तथा १८ दोनोंपर); सियालदा मेन (नं० ८); आसनसोल (नं० ५); कटक (नं० १); भुवनेश्वर (नं० १); राऊरकेला (पुस्तक-ट्राली); राजगांगपुर (पुस्तक-ट्राली); औरंगाबाद [महाराष्ट्र] (नं० १); सिकन्दराबाद [आं० प्र०] (नं० १); गुवाहाटी (नं० १); खड़गपुर (नं० १-२); रायपुर [छत्तीसगढ़] (नं० १)
एवं अन्तर्राज्यीय बस-अड्डा, दिल्ली।

फुटकर पुस्तक-दूकानें

चूरू-३३१००१ ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, पुरानी सड़क ✆ (०१५६२) २५२६७४

ऋषिकेश-२४९१९२ मुनिकी रेती

तिरुपति-५१७५०४ शॉप नं० ५६, टी० टी० डी० मिनी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, तिरुमलाई हिल्स

॥ श्रीहरिः ॥

गीताप्रेस, गोरखपुरसे प्रकाशित सहस्त्रनामस्तोत्र

१-श्रीविष्णुसहस्त्रनाम

२-श्रीरामसहस्त्रनाम

३-श्रीशिवसहस्त्रनाम (नामावलीसहित)

४-श्रीगणेशसहस्त्रनाम (,,)

५-श्रीसूर्यसहस्त्रनाम (,,)

६-श्रीहनुमत्सहस्त्रनाम (,,)

७-श्रीगायत्रीसहस्त्रनाम (नामावलीसहित)

८-श्रीगोपालसहस्त्रनाम (,,)

९-श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनाम

१०-श्रीसीतासहस्त्रनाम

११-श्रीगङ्गासहस्त्रनाम

१२-श्रीराधिकासहस्त्रनाम

Code 1663